



पायलियर



मोदी सरकार में ही
पूर्वोत्तर मुख्यधारा में
शामिल हो सका
राष्ट्रीय-10

www.dailypioneer.com

देश लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए तैयार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दक्षिणी और पूर्वी राज्यों के कुछ हिस्सों में चल रही लू को लहर के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 निर्वाचन क्षेत्रों (सामान्य- 73; एसटी- 11; एससी-18) में मतदान के साथ शुरू होने वाले हैं। 16.63 करोड़ पात्र मतदाताओं के साथ यह चरण चुनाव के सात चरणों में सबसे बड़ा भी है। शुक्रवार को सुबह से होने वाले मतदान के लिए लाखों मतदान कर्मी बृहस्पतिवार को अपने स्थानों के लिए रवाना हो गए। चुनाव आयोग (ईसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि लक्षद्वीप के किल्टन द्वीप तक पहुंचने के लिए जहाज और नाव से यात्रा करने वाले मतदान दलों से लेकर अधिकारियों को

अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के दूरदराज के बूथों तक पहुंचने के लिए ट्रेकिंग करनी पड़ी और हिंसक विद्रोहों से प्रभावित इलाकों में काफी दूरी तक यात्रा करनी पड़ी और पहुंचने के लिए नदियों को पार करना पड़ा। लाखों मतदाता शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होने वाले मतदान के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश (60 सीटें) और सिक्किम (32 सीटें) में भी विधानसभा चुनाव होंगे। इस बीच तमिलनाडु में द्रविड़ पार्टियों को चुनौती देने वाली ताकत के रूप में उभरने की भाजपा की महत्वाकांक्षा और देश भर में अपने गढ़ों को बरकरार रखने के दृढ़ संकल्प को शुक्रवार को कड़ी परीक्षा होगी जब सात चरण के लोकसभा चुनाव शुरू होंगे। यदि 102 निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले चुनाव में सत्तारूढ़ दल के लिए बहुत कुछ दांव

पर है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मजबूत बहुमत चाहते हैं, तो विपक्षी इंडिया गुट के लिए चुनौती और भी बड़ी है, जिसके कई घटक अस्तित्व और आशा की लड़ाई में हैं। 2014 और 2019 के चुनावों में हार का सामना करने के बाद वापसी के लिए प्रधानमंत्री ने चुनावों से पहले कई मंदिरो का दौरा किया है। पहले चरण में जिन राज्यों की सभी सीटों पर मतदान होगा उनमें तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान

और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर और छत्तीसगढ़ में एक-एक

सीट पर मतदान होगा। पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम समाप्त हो गया। इस चरण में गडकरी, सोनोवाल और यादव के अलावा, छह अन्य केंद्रीय मंत्री - किरन रीजुजू, संजीव बालियान, जितेंद्र सिंह, अर्जुन राम मेघवात, एल मुस्मान और निशोध प्रमाणिक, दो पूर्व मुख्यमंत्री - बिल्वन कुमार देब (त्रिपुरा) और नबाम तुकी (अरुणाचल प्रदेश) तथा तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन मैदान में हैं। पिछले चुनाव (2019) में संग्राम ने इन 102 सीटों में से 45 और राज्यों में 41 सीटें जीती थीं। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में कुल 16.63 करोड़ मतदाताओं में से 8.4 करोड़ पुरुष,

8.23 करोड़ महिला और 11,371 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। 35 लाख से अधिक पहली बार मतदाता भी वोट डालने के पात्र हैं। कम से कम 1,625 उम्मीदवार (1,491 पुरुष और 134 महिला) मैदान में हैं। 1.87 लाख मतदान केंद्रों पर 18 लाख मतदान कर्मी काम करेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि सुरक्षा बलों की सुचारु आवाजही सुनिश्चित करने के लिए 41 हेलीकॉप्टर, 84 विशेष ट्रेनें और लगभग लाख अन्य वाहन तैनात किए गए हैं। 1102 लोकसभा सीटों में से, भाजपा ने 2019 में 39 सीटें जीती थीं, सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए को क्रमशः उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में 12, पांच और तीन सीटें मिली थीं। इनमें से सात सीटें (शेष पेज 9)

दक्षिण में कड़ी परीक्षा देने को भाजपा तैयार

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी हाल के समय की सबसे कठिन चुनाव लड़ाई का गवाह बनने जा रहे हैं क्योंकि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश दोनों 40 प्रतिनिधियों (तमिलनाडु से 39 और केंद्रशासित प्रदेश से एक अकेले सदस्य) को चुनने के लिए शुक्रवार को चुनाव में उतरेंगे। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद तमिलनाडु में चिलचिलाती गर्मी के बावजूद एक कठिन अधिवेशन को मिला। शीर्ष सम्मान के लिए तीन मोर्चे एक-दूसरे से होड़ कर रहे हैं। मुख्य दावेदार (कम से कम कागज पर) डीएमके और उसके सहयोगी दल हैं जिनमें कांग्रेस, सीपीआई



(एम), सीपीआई, और डीएमडीके, वीसीके, मुस्लिम लीग जैसे जाति और समुदाय के संगठन और कुछ क्षेत्रीय दल शामिल हैं। द्रमुक ने 22 उम्मीदवार उतारे हैं जबकि कांग्रेस को नौ सीटें

आवंटित की गई हैं। कई गुटों में बंट चुकी एआईएडीएमके एक मोर्चे का नेतृत्व कर रही है जिसमें एमडीएमके, इस्लामिक संगठन एसडीपीआई और पृथिव्या तमिझगम शामिल हैं। एआईएडीएमके, जिसमें एडुपाटी पलानीस्वामी और उनके अनुयायी शामिल हैं, 32 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि दिवंगत विजयकांत द्वारा स्थापित एमडीएमके पांच सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा और उसके युवा राज्य प्रमुख के अलावा कई नेतृत्व वाले एनडीए में पट्टाली मकल काची, तमिल मनीला काग्रेस, टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मकल मुनेत्र कज्जम और (शेष पेज 9)

सबकी जिगाहें पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर

विस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

देश में 19 अप्रैल को होने वाले आम चुनाव के पहले चरण के मतदान के करीब सभी की जिगाहें पश्चिमी उत्तर प्रदेश (यूपी) क्षेत्र पर टिकी हैं, जहां जाटव समुदाय, जो कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के समर्थन के लिए जाना जाता है और मुस्लिम मतदाताओं का काफी प्रभाव है। राजनीतिक विश्लेषक राजेश एन बाजपेयी टिप्पणी करते हैं, 'आठ सीटों पर बसपा उम्मीदवारों का प्रदर्शन और अल्पसंख्यक समुदायों का मतदान रद्दान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) - राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) और समाजवादी

पार्टी, बसपा दोनों के लिए चुनावी परिणाम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। आगामी चुनावों में मुख्य आकर्षण सहायनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना (एससी), मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत होगा। पिछले चुनावी रद्दानों को देखते हुए, 2014 के लोकसभा चुनावों में पहले चरण के लिए निर्धारित सभी आठ सीटों पर भाजपा ने क्लीन स्वीप किया, जिससे उसकी सीटों की संख्या 71 हो गई, बाद में अपना दल के साथ गठबंधन में बढ़कर 73 हो गई। हालांकि, 2019 के चुनावों में एक उल्लेखनीय बदलाव देखा गया, जिसमें (शेष पेज 9)

विदर्भ का गढ़ जीतने उतरेगी भाजपा

टी रघुनाथ। मुंबई

सत्तारूढ़ भाजपा विदर्भ में अपना गढ़ बरकरार रखने के लिए कड़ी संघर्ष कर रही है, जहां उसने 2019 के लोकसभा चुनावों में तत्कालीन उद्भव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन कर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस के पास खोने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन हासिल करने के लिए सब कुछ है, क्योंकि दस निर्वाचन क्षेत्रों में से आधे क्षेत्र में शुक्रवार को पहले चरण में मतदान हुआ है। हवा में कोई स्पष्ट लहर नहीं होने और मतदाताओं के बीच बहुत अधिक उन्साह नहीं देखे जाने के कारण, भाजपा राम मंदिर मुद्दे को धुनाने की कोशिश कर रही है और पांच चुनावी क्षेत्रों - नागपुर, रामटेक - में मतदाताओं तक पहुंचने के लिए अपनी संगठनात्मक ताकत का उपयोग कर रही है। भाजपा यह भी उम्मीद कर रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित दो रैलियां - चंद्रपुर और रामटेक में एक-एक और भंडारा-गोंदिया में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह (शेष पेज 9)

बिहार में चुनाव से पहले असमंजस बरकरार



बाएं से दाएं: विरग पासवान, विवेक ठाकुर, जीतन राम मांझी और श्रवण कुशवाला

दोपक कुमार झा। गया/जमुई बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को जिन चार लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, वहां के मतदाताओं में वोट देने को लेकर भ्रम की स्थिति है, क्योंकि इन निर्वाचन क्षेत्रों में जाति के आधार पर मतदान करने का दशकों से चलन रहा है, यहां विकास कोई मुद्दा नहीं रहा है। इस संबंध में एक बार बिहार के राजनीतिक दिग्गज व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कहा था, 'राजनीति और विकास के बीच कोई संबंध नहीं है।' दिलचस्प बात यह है जमुई से सांसद लोकजन् शक्ति पार्टी (एलजेपी) का नेतृत्व करने वाले कि चिराग पासवान इस बार निर्वाचन क्षेत्र बदलते हुए एलजेपी के वर्षों से प्रभुत्व वाली पटना के पास हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं जमुई को अब पासवान परिवार के सदस्य अरुण भारती को सौंपा गया है, जिनका मुकाबला इंडिया गठबंधन की अर्चना रविदास है। जात रहे कि

चिराग दो बार लोकसभा में जमुई का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जात रहे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत जमुई से की, उसके बाद 7 अप्रैल को नवादा में और फिर इस सप्ताह की शुरुआत में गया में एक सार्वजनिक बैठक की। इस बार आम चुनाव में व्यवस्था के अनुसार या तो सीटें बदल दी गई हैं। पहली बार बिहार भाजपा के कद्दावर नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी ठाकुर के बेटे विवेक ठाकुर, दिवंगत राम विलास पासवान के दामाद अरुण जैसे खिलाड़ी इस बार मैदान में हैं। विवेक भाजपा से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हैं और गया के पास नवादा के भूमिहार बहुल ऊंची जाति के निर्वाचन क्षेत्र से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। संसद में 40 सांसद सदस्यों को भेजने वाले बिहार में सात चरण के लोकसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले चरण में

2015 में टेकारी विधानसभा क्षेत्र से जेडीयू विधायक थे, लेकिन हाल ही में राजद में शामिल हो गए और उन्हें औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र से पार्टी का टिकट दिया गया। यह सीट राजपूत बहुल है, हालांकि यहां बड़ी संख्या में ओबीसी और इंडीसी मतदाता हैं, इसलिए राजद ने ओबीसी उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। चुनाव दिलचस्प है क्योंकि औरंगाबाद के छह विधानसभा क्षेत्रों में से चार-कुटुंबा, रफीगंज, औरंगाबाद और गुरुआ पर महागठबंधन के विधायकों का कब्जा है, जबकि शेष दो - इमामगंज और टेकारी पर हम का कब्जा है, जो अब एनडीए का सहयोगी है।

औरंगाबाद का प्रतिनिधित्व कभी केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह करते थे लेकिन 2019 के आम चुनाव में इस सीट पर तत्कालीन एलजेपी के चंदन सिंह ने जीत हासिल की। इस बार, एनडीए की सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत नवादा सीट भाजपा का कूच बिहार जिला भी शामिल है शुक्रवार को जिसके साथ पड़ोसी जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में पहले चरण का लोकसभा चुनाव होना है। भाजपा के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नितिश सिंह इसलिए भी चर्चा में हैं क्योंकि यह उन कुछ चंद्र बसुनिया को टक्कर दे रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में टीएमसी और बीजेपी के बीच रुक-रुक कर टक्कर के अलावा कूचबिहार की यह एससी सीट इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यह उन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है जहां सभी की जिगाहें भाली जनता से बिटकेंडन (2017 में 6,600 करोड़ रुपए मूल्य) के रूप में धारि मात्रा में धनराशि एकत्र की थी। इंडी ने आरोप उठाने के इन प्रवर्तकों ने निवेशकों से धोखाधड़ी की। उसने दावा किया कि कुंद्रा ने यूक्रेन में एक बिटकेंडन (शेष पेज 9)

बंगाल के कूच बिहार में बैचेनी भरी शांति



सौर सैन्यगुप्त। कोलकाता

राज्य के कुछ हिस्सों में तनावपूर्ण शांति की स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन बृहस्पतिवार को हाई अलर्ट पर रहा। इसमें उत्तर बंगाल का कूच बिहार जिला भी शामिल है शुक्रवार को जिसके साथ पड़ोसी जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में पहले चरण का लोकसभा चुनाव होना है। भाजपा के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नितिश सिंह इसलिए भी चर्चा में हैं क्योंकि यह उन कुछ चंद्र बसुनिया को टक्कर दे रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में टीएमसी और बीजेपी के बीच रुक-रुक कर टक्कर के अलावा कूचबिहार की यह एससी सीट इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यह उन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है जहां सभी की जिगाहें भाली जनता से बिटकेंडन (2017 में 6,600 करोड़ रुपए मूल्य) के रूप में धारि मात्रा में धनराशि एकत्र की थी। इंडी ने आरोप उठाने के इन प्रवर्तकों ने निवेशकों से धोखाधड़ी की। उसने दावा किया कि कुंद्रा ने यूक्रेन में एक बिटकेंडन (शेष पेज 9)

मददेनजर चुनाव आयोग ने सीआईएसएफ की तैनाती नहीं करने का फैसला किया है। कूच बिहार से संभलने के लिए अन्य दलों में भाजपा ने जलपाईगुड़ी एससी सीट से जयंत राय तथा मादिरहाट विधानसभा मनाज टिंगरा को अलीपुरद्वार एससी सीट से उतारा है। टिंगरा निवर्तमान सांसद जॉन बारला का स्थान लेंगे। 2019 में भाजपा ने टीएमसी को इन निर्वाचन क्षेत्रों में हराया था दो परंपरागत रूप से लोफ्ट और कांग्रेस का गढ़ थे। शीर्ष टीएमसी नेता तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा नेताओं यहां पर जमकर चुनाव प्रचार किया। टीएमसी सुप्रोमी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी की तरफ से चुनाव अभियान की कमान संभाली। इस दौरान सीएएफ, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को जमकर उठाया गया।



कड़ी सुरक्षा के बीच मणिपुर चुनाव के लिए तैयार

पीटीआई। इंपाल

जातीय संघर्ष से जूझ रहे हैं मणिपुर में पहले दो चरण के चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इनर मणिपुर लोकसभा सीट तथा आउटर मणिपुर लोकसभा सीट के तहत आने वाले 15 विधानसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को पहले चरण के तहत मतदान होगा। आउटर मणिपुर संसदीय सीट के तहत आने वाले शेष 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को मतदान होगा। इनर मणिपुर लोकसभा सीट में 32 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। राज्य में कुल 60 विधानसभा सीट हैं। इनर मणिपुर सीट पर राज्य के शिक्षा मंत्री टी.बसंत कुमार सिंह एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी और कांग्रेस के अंगोमना विमोल अकोइजाम सहित कुल छह उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) ने टी. महेश्वर को टिकट दिया है, जबकि तीन अन्य निर्दलीय उम्मीदवार हैं। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम चार बजे तक चल सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी टी. किरणकुमार ने कहा कि इनर मणिपुर संसदीय सीट में कुल 9.91 लाख मतदाता अपने मतानिधित्व का प्रयोग करने के लिए हैं, जिनमें से सबसे अधिक 3.81 लाख इंपाल पश्चिम जिले में हैं। उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष के कारण सुरक्षा के लिए 29 विशेष अलाउड केंद्रों बनाए गए हैं। उनके मुताबिक, इनके मतदाता इनर मणिपुर संसदीय सीट में 1,319 मतदाता केंद्र स्थापित किए गए हैं। मणिपुर में पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कुकी और घाटी में रहने वाली मेइती के बीच हिंसक जातीय संघर्ष हुआ है। पिछले साल तीन मई से शुरू हुए इस संघर्ष में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इंपाल पश्चिम जिले में कुल 70 मतदान केंद्रों की पहचान संवेदनशील या अति संवेदनशील के रूप में की गई है और उनमें पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस उम्मीदवारों को पहचान के लिए आरक्षित है। इस सीट पर नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के के. टिमोथी जियिक, कांग्रेस के अलेक्जेंडर कननाम आर्थर और निर्दलीय उम्मीदवारों खो जॉन और एलिसन अबोनमई के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा। ये सभी उम्मीदवार नगा हैं। भाजपा ने इस सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारा है और अपनी सहयोगी एनपीएफ को समर्थन दिया है। आउटर मणिपुर जिले में कुल 22 और कांगपोकपी में 24 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

ईडी ने कुंद्रा-शिल्पा की 98 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

पार्वनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली कर्सेसी के इस्तेमाल के जरिए निवेशक निधि में धोखाधड़ी से जुड़ा है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि कुर्क संपत्ति में अभी शेटी के नाम पर जुहु (मुंबई) में एक रिहायशी फ्लैट और कुंद्रा के नाम पर पुणे में एक रिहायशी बंगला तथा इन्डिटी शेयर शामिल हैं। उसने बताया कि इन संपत्तियों की कीमत 97.79 करोड़ रुपए है। दंपति के एक वकील ने बताया कि उनके मुकदमों के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है और वे प्राधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे। धन शोधन (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया। यह मामला बिटकेंडन जैसी क्रिये



का यह मामला वैरिबल टेक दिवंगत अमित भाद्राज, अजय प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी, भाद्राज, विवेक भाद्राज, सिम्पी

भाद्राज, महेंद्र भाद्राज और कई एजेंट के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस की प्राथमिकियों से निकला है। प्राथमिकियों में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने बिटकेंडन के रूप में प्रति माह 10 प्रतिशत रिटर्न के झूठे वादे के साथ भोली-भाली जनता से बिटकेंडन (2017 में 6,600 करोड़ रुपए मूल्य) के रूप में धारि मात्रा में धनराशि एकत्र की थी। इंडी ने आरोप उठाने के इन प्रवर्तकों ने निवेशकों से धोखाधड़ी की। उसने दावा किया कि कुंद्रा ने यूक्रेन में एक बिटकेंडन (शेष पेज 9)

ईडी का दावा, मधुमेह के बावजूद आम व मिठाई खा रहे केजरीवाल

राजेश कुमार। नई दिल्ली

जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मधुमेह की स्थिति उनके और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच विवाद का विषय बन गई है। ईडी ने बृहस्पतिवार को अदालत में दावा किया कि आबकारी शुल्क घोटाला मामले में गिरफ्तार केजरीवाल चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने अदालत को बताया, टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद अरविंद केजरीवाल उच्च शर्करा वाले भोजन खा रहे हैं। वह रोजाना आलू पूरी, आम, मिठाई खा रहे हैं। यह चिकित्सा जमानत के लिए आधार बनाने के लिए हर दिन आम और मिठाई खा रहे हैं। वहीं उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव और वजन घटने पर चिंता व्यक्त की है। ईडी ने

जेवर एयरपोर्ट से सुधरेगी देश की अर्थव्यवस्था: योगी

ग्रेटर नोएडा स्थित ककोड़ कस्बे में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने जनसभा को किया संबोधित, प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

पानिजर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के ककोड़ कस्बे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में योगी ने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में योगी ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा सिकन्द्राबाद क्षेत्र को लेकर यह बात कही है। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय से की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में अपना संबोधन रामनवमी को याद करते हुए शुरू किया।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने रामनवमी का त्यौहार मनाया। साथ ही पांच सौ साल बाद भगवान राम ने अपने खुद के भव्य मंदिर में रामनवमी का त्यौहार मनाया। उन्होंने कहा कि वर्ष-2014 से पहले हर भारतवासी को चिंता हो रही थी कि अब हमारे देश का क्या होगा? मात्र 10 साल में ना केवल भारत का हर नागरिक आनंद में है बल्कि पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा-370 का खान्सा करके इतिहास रचा गया है। भारत की धरती से आतंकवाद का खान्सा कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है।

इस एयरपोर्ट से देश तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुधरेगी। साथ ही जेवर एयरपोर्ट का सबसे ज्यादा फायदा सिकन्द्राबाद, खुर्जा, ग्रेटर नोएडा तथा नोएडा की जनता को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार गतिव परिवारों को मुफ्त में इलाज करा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास के इतने काम हुए जितने कार्मां की किसी भी कल्पना तक नहीं की थी। उत्तर प्रदेश के



ग्रेटर नोएडा के ककोड़ कस्बे में जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते सांसद महेश शर्मा व अन्य भाजपा नेता



सीएम आदित्यनाथ को सुनने आए भाजपा समर्थक।

गौतमबुद्ध नगर की जनता का हूँ कर्जदार: महेश शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार का चुनाव नेशन फस्ट बनाम परिवार फस्ट का चुनाव है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 140 करोड़ का पूरे राष्ट्र का परिवार है। दूसरी तरफ सपा तथा बसपा के लोगों के लिए केवल अपना परिवार है। अब जनता को तय करना है कि वे जनता किसके साथ हैं।

ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के ककोड़ में हुई जनसभा को गौतमबुद्धनगर क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी डा. महेश शर्मा ने भी संबोधित किया। अपने संबोधन में डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने ऐतिहासिक प्रगति की

है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के प्रयास से गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास का काम हुआ है। डा. महेश शर्मा ने कहा कि मैं अपने क्षेत्र की जनता का कर्जदार हूँ। कर्ज इतना बड़ा है कि यदि मैं अपने शरीर की खाल की जूती बनाकर क्षेत्र की जनता के पैरों में पहना दूँ तो इस क्षेत्र की जनता का कर्ज नहीं उतार सकता हूँ। भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया ने भी जनसभा को संबोधित किया। सिसोदिया ने जनता से अनुरोध किया कि डा. महेश शर्मा

को ऐतिहासिक वोटों से चुनाव जिता कर लोकसभा में भेजने का काम करना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विकास पुरुष तथा शांति पुरुष कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। इस चुनाव में भाजपा को पड़ने वाला एक-एक वोट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खाते में जाएगा। उन्होंने कहा कि योगी ने उत्तर प्रदेश को गुंडाराज के दायरे से निकालकर विकास की नई गंगा बहाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार का चुनाव नेशन फस्ट बनाम परिवार फस्ट का चुनाव है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 140 करोड़ का पूरे राष्ट्र का परिवार है। दूसरी तरफ सपा तथा बसपा के लोगों के लिए केवल अपना परिवार है। अब जनता को तय करना है कि वे जनता किसके साथ हैं।

अध्यक्ष रामनिवास यादव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष उमेश पहलवान, किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना, ओम यादव, पंकज झा, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण महावर तथा अन्य प्रधारी तमय शंकर, चमन शर्मा, संजय बाली, अल्पेश गर्ग, भाजपा युवामोर्चा के

अध्यक्ष रामनिवास यादव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष उमेश पहलवान, किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना, ओम यादव, पंकज झा, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण महावर तथा अन्य प्रधारी तमय शंकर, चमन शर्मा, संजय बाली, अल्पेश गर्ग, भाजपा युवामोर्चा के

मेडिकल डिवाइस में निवेश को यमुना अर्थॉरिटी पहुंची जापान

पानिजर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे इंटरस्ट्रिक्चर डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्टर-28 में विकसित किए जा रहे 350 एकड़ के मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल जापान के टोक्यो शहर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध मेडिटेक शो में भाग ले रहा है।

प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई उत्तर प्रदेश सरकार के आवास एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल कुमार सागर कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. अरुण वीर

74 कंपनियों को मूखंड आवंटित किए जा चुके हैं

सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण और सलाहकार संस्था के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 17 से 20 अप्रैल तक आयोजित इस मेले में भाग ले रहा है। मेडिटेक शो के पहले दिन मेडिकल डिवाइस पार्क के स्ट्रॉल पर जापान का प्रतिष्ठित और विश्व प्रसिद्ध कंपनियों के प्रतिनिधियों ने ध्यान दिया और पार्क की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। शासन और प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने आगंतुकों को मेडिकल डिवाइस पार्क की विशेषताओं, उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों आदि से अवगत कराया। प्राधिकरण के स्ट्रॉल पर पोशा वेलेनस लैबोरेटरी इंक, शिमाने विश्वविद्यालय का चिकित्सा संकाय, मानीज ग्रुप कंपनी लिमिटेड, सौसाकु मेडिकल, जापान फेडरेशन ऑफ मेडिकल डिवाइसेज एसोसिएशन, सिलिकॉन वैली वेंचर, बी डॉट मेडिकल इंक, इंटरनेशनल मेडिकल ग्रुप एक्सचेंज एसोसिएशन और टोयोटा फॉर्मस जैसी प्रमुख जापानी

कंपनियों और संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार की नोडल एजेंसी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट सेक्टर 28 में विकसित किए जा रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में अब तक लगभग 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इन आवंटनों से प्राधिकरण को करीब 1415.24 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है और उत्तर प्रदेश में 8895 एंज रोजगार सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी भी पूरे योजना अपनी नजर बनाये हुए हैं।

अतुल के साहिबाबाद चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन गान्जियाबाद। साहिबाबाद विस में भाजपा के लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, साहिबाबाद विधानसभा चुनाव संयोजक राजेश्वर प्रसाद, साहिबाबाद विधानसभा विस्तारक अजीत पटेल ने किया। इस अवसर पर सुनील शर्मा ने कहा कि साहिबाबाद क्षेत्र की जनता का सभी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पर विशेष कृपा की जाती रही है। इस बार भी यह कृपा भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग पर रहने वाली है। स्थानीय होने का लाभ कंपनी जनता को भी मिलेगा। 26 अप्रैल को वोट अवश्य डालें और सभी को प्रेरित भी करें। संजीव शर्मा ने कहा कि देश में विकास के लिए अतुल गर्ग को भी जिताना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर महानगर मंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

अतुल के साहिबाबाद चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन गान्जियाबाद। साहिबाबाद विस में भाजपा के लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, साहिबाबाद विधानसभा चुनाव संयोजक राजेश्वर प्रसाद, साहिबाबाद विधानसभा विस्तारक अजीत पटेल ने किया। इस अवसर पर सुनील शर्मा ने कहा कि साहिबाबाद क्षेत्र की जनता का सभी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पर विशेष कृपा की जाती रही है। इस बार भी यह कृपा भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग पर रहने वाली है। स्थानीय होने का लाभ कंपनी जनता को भी मिलेगा। 26 अप्रैल को वोट अवश्य डालें और सभी को प्रेरित भी करें। संजीव शर्मा ने कहा कि देश में विकास के लिए अतुल गर्ग को भी जिताना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर महानगर मंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

राजेंद्र सोलंकी ने कौंडली बदौली, डॉली ने रईसपुर गांव में की सभा

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट से सांसदीय का चुनाव लड़ रहे बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने गुरुवार को नोएडा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में समर्थकों के साथ जनसंपर्क कर 26 अप्रैल को बसपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान बसपा प्रत्याशी का नोएडा के गांव गढ़ी समस्तपुर, कौंडली, बदौली, जट्टा, मोहियापुर, गुलावली, मंगरोली, छहरोली, गान्जिपुर, नानाली, रोल्हापुर, साहपुर, सुल्तानपुर तथा गढ़ी साहपुर सहित अन्य गांवों में मतदाताओं ने कई जगहों पर भव्य स्वागत करते हुए भारी मतों से विजयी बनाने का भरपूर दिया। स्वागत करने में महिलाएं भी पीछे नहीं रही। बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने समर्थकों के खुर्जा विधानसभा के गांव चालचली, छपना, सिरियल, डासौली, नारा मोहम्मदपुर, इब्राहिमपुर, भूना, जाटान, गोठनी, नेकपुर, सागरंगपुर, जवां, तिन्हेयो, माचड़, भादवा, कलाखुरी, भोगपुर, उदयपुर, समसपुर

सहित अन्य गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान मतदाताओं ने कई जगहों पर भव्य स्वागत किया। वहीं सर्व समाज के समर्थन के क्रम में डाट समाज भी पीछे नहीं रहा। इंडिया गठबंधन प्रत्याशी डॉली शर्मा ने रईसपुर में जनसंपर्क किया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर समस्याओं की भरमार है। सिफ कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो लोगों को इन सभी समस्याओं से छुटकारा दिला सकती है। रईसपुर में हुई सर्वसमाज की बैठक में मौजूद लोगों ने डॉली शर्मा को 21 किलों से भारी फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर डॉली शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हाथ के सामने वाला बदन दबाना होगा। कांग्रेस पार्टी यहां से जीतगी तो गान्जियाबाद के लोगों की किस्मत खुद ब खुद बदल जाएगी। उसके बाद ऐसी समस्याएं नहीं होंगी, जिसका समाधान संभव ना हो सके। डॉली शर्मा ने कहा कि वे चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं पूछेंगी।

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार कल्पना पटेल और विजय शंकर को 21.01.2022 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLNOI00207356 की राशि रु. 44.19,237.32 (रुपए चालीस लाख उन्नीस हजार दो सौ सैंतीस और चालीस पैसे मात्र) और 20.12.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु. 44.19,237.32 (रुपए चालीस लाख उन्नीस हजार दो सौ सैंतीस और चालीस पैसे मात्र) 20.12.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
इको विलेज-4 से पहचाने जानेवाली आवासीय परियोजना में, ब्लॉक के 1 में नौवीं मंजिल पर प्लेट विवरण नंबर 0901 जिसका सुपर क्षेत्र 1100 स्क्.फीट, प्लॉट नं. जीएन-01 पर स्थित, सेक्टर 16बी, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201303, उत्तर प्रदेश।	
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : नोएडा
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार प्रदीप कुमार और सारिका यादव को 11.01.2022 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLNOD00213196 की राशि रु. 27.81,485.61 (रुपए सत्तराईस लाख इक्कीसी हजार चार सौ पचासी और इकसठ पैसे मात्र) और 29.12.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु. 27.81,485.61 (रुपए सत्तराईस लाख इक्कीसी हजार चार सौ पचासी और इकसठ पैसे मात्र) 29.12.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
युनिट नंबर 1003 के सभी भाग और खंड, दसवीं मंजिल, टॉवर-1, सुपरटेक इको विलेज 4, प्लॉट नंबर जीएनए-01, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा, नोएडा - 201308, उत्तर प्रदेश।	
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : नोएडा
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार संतोष कुमार और श्रीलता को 21.12.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLLAJ00142904 की राशि रु.4,50,193.64 /- (रुपए चार लाख पचास हजार चार सौ तिरासठ और चौसठ पैसे मात्र) और 24.12.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रेट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु.6,53,083.22 /- (रुपए छ लाख तिरपन हजार तिरासी और बाईस पैसे मात्र) और 20.01.2022 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रेट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु.6,53,083.22 /- (रुपए छ लाख तिरपन हजार तिरासी और बाईस पैसे मात्र) और 20.01.2022 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
युनिट नं. 406, चौथी मंजिल, टॉवर के-1, सुपरटेक इको विलेज 4, प्लॉट नं.जीएच 01, सेक्टर 16-बी, ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश-201308	
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : ग्रेटर नोएडा
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार दिलीप सक्सेना और अनुराधा सक्सेना को 21.01.2022 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLLAJ00142904 की राशि रु.8,91,745.46 /- (रुपए आठ लाख इक्कीस हजार सात सौ सैंतीस और चालीस पैसे मात्र) और 20.01.2022 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रेट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु.8,91,745.46 /- (रुपए आठ लाख इक्कीस हजार सात सौ सैंतीस और चालीस पैसे मात्र) 20.01.2022 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
युनिट नं. 1528, पंद्रहवीं मंजिल, टॉवर के-1, सुपरटेक अप केंद्री प्लॉट नं.टीएस -1, सेक्टर -17ए, यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा।	
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : ग्रेटर नोएडा
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार दिलीप सक्सेना और अनुराधा सक्सेना को 13.01.2022 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLLAJ00142904 की राशि रु.4,50,193.64 /- (रुपए चार लाख पचास हजार चार सौ तिरासठ और चौसठ पैसे मात्र) और 24.12.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रेट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु.4,50,193.64 /- (रुपए चार लाख पचास हजार चार सौ तिरासठ और चौसठ पैसे मात्र) 24.12.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
युनिट नं. 1528, पंद्रह मंजिल, एशिया माफिट 500 स्क्.फीट, साथ ही में एक कवर्ड कार पार्किंग टॉवर-एच, सुपरटेक अप केंद्री, प्लॉट नं.टीएस-1, सेक्टर 17ए, यमुना एक्सप्रेसवे ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201306, उत्तर प्रदेश	
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : गौतम बुद्ध नगर
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार एल प्रेमी देवी, लीनारा वीना देवी और अब्दुल कादिर शाह (गारंटर) को 08.12.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLNOD00421838 की राशि रु.26,47,577.56 /- (रुपए छब्बीस लाख सैंतौलीस हजार पांच सौ सतहत्तर और छपन पैसे मात्र) और 27.11.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभिधान सूचना जारी की थी। धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अयोध्याक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिन्धोरीटी इंस्ट्रेट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के तहत प्राण अधिकारों का कार्यान्वयन करके 15.04.2024 को संपत्ति पर सांकेतिक आधिपत्य कर लिया है। विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रु.26,47,577.56 /- (रुपए छब्बीस लाख सैंतौलीस हजार पांच सौ सतहत्तर और छपन पैसे मात्र) 27.11.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के अधीन होगा। उपारक्तोंओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।	
अचल संपत्ति का विवरण	
आवासीय प्लॉट नं.युजीएफ 1 (ऊपरी तल मंजिल), सामने दक्षिने हाथ की ओर, एच.आई.जी. (रुप हट्टर के विना), जिसका सुपर और कवर्ड एशिया 600 स्क्.फीट पॉटि एस 55.74 स्क्.मी.प्रो होल्ड आवासीय प्लॉट नं.बी-1/60 पर बना, आवासीय कॉलोनी में स्थित, डीएलएफ हिलग्राव एस्टेटेशन -II, गाँव ब्रह्मपुर उर्फ भोपुरा, परगना लोनी, तहसील और जिला गान्जियाबाद, गान्जियाबाद-201010, उत्तर प्रदेश	
दिनांक : 15.04.2024	स्थान : गान्जियाबाद
सही/-	प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड	

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)	
जब कि, इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अयोध्याक्षरी ने सिन्धोरीटाइजेसन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनॉशियल असेट्स एंड एम्प्लोमेंट ऑफ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिन्धोरीटी इंस्ट्रस्ट (एम्प्लोमेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राण अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार संतोष कुमार और श्रीलता को 21.12.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खता नं. HHLNOD00209341 की राशि रु.35,02,642.29 /- (रुपए तीसरी लाख दो हजार छ सौ ब्यालीस और उन्	

वक्फ बोर्ड मामले में अमानतुल्ला गिरफ्तार

● भर्ती में अनियमितता को लेकर ईडी ने की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान बृहस्पतिवार को धन शोधन संबंधी एक मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए थे।

करीब साढ़े 9 घंटे उनसे पूछताछ हुई, जिसके बाद एजेंसी के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वक्फ बोर्ड नियुक्ति घोटाले के आरोप में खान को गिरफ्तार किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में खान की अध्यक्षता के दौरान हुई कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में आप विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने से पिछले सप्ताह इनकार कर दिया था जिसके बाद अब उनसे यह पूछताछ हुई है। अमानतुल्ला के एक्स से जारी बयान में कहा है कि 'मुझे गिरफ्तार कर के हौसले को नहीं तोड़ा जा सकता।

शीर्ष अदालत ने उन्हें 18 अप्रैल को जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था। इससे पहले ईडी की तरफ से विधायक को 6 सप्ताह भेजे गए थे। समन मिलने के बाद भी अमानतुल्ला खान जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे। उनकी तरफ से उच्चतम न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई गई थी, जिसे कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि विधायक होने के आधार पर आपकी कोई छूट नहीं दी सकती।

कानून सबके लिए बराबर होता है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि ईडी के समन को बार-बार



पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के वक्फर में जाते आप विधायक अमानतुल्ला खान।

नजरअंदाज करना गलत है। इसके बाद खान ईडी के सामने पेश हुए थे। इससे पहले गुरुवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय जाते समय अमानतुल्ला खान ने मीडिया के सामने दावा किया कि जब वह वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष थे तो उन्होंने नियमों का पालन किया और कानूनी राय लेने के बाद वर्ष 2013 में आए नए अधिनियम (बोर्ड के लिए) के अनुसार कार्य किया। खान के खिलाफ धन शोधन का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतों से संबंधित है। ईडी ने दावा किया है कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती के माध्यम से बड़ी रकम नकद में अर्जित की और अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्तियों को खरीदने के लिए उस रकम का निवेश किया। खान के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

भी हो चुकी है। ईडी ने एक बयान में आरोप लगाया था कि वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती हुई और खान की अध्यक्षता (2018-2022) के दौरान वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को गलत तरीके से पट्टे पर देकर खान ने अवैध तरीके से लाभ कमाया। ईडी ने कहा कि खान ने उक्त अपराधिक गतिविधियों से नकद में बड़ी रकम अर्जित की और इस नकद राशि को अपने सहयोगियों के नाम पर दिल्ली में विभिन्न अचल संपत्तियों को खरीदने में निवेश किया। इसमें कहा गया था कि छापे के दौरान कई अपराधिक सामग्री जब्त की गई, जो धन शोधन के मामले में खान की भूमिका का संकेत देती है।

आप ने आरोप लगाया था कि यह जांच उन झूठे मामलों में से एक थी जो उसकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ दायर किए जा रहे थे। उच्चतम न्यायालय ने 15 अप्रैल के अपने

खान ने अल्पसंख्यकों को धोखा दिया : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अमानतुल्ला खान गिरफ्तारी से न्याय का तकाजा पूरा हुआ है। खान ने केवल आर्थिक भ्रष्टाचार ही नहीं किया बल्कि धार्मिक वक्फ की सम्पति एवं फंड में गोलमाल कर अल्पसंख्यकों को भी धोखा दिया है। नौकरी देने के लिए पैसे लेने से लेकर साधारण मुस्लिम जनों की अमानत वक्फ बोर्ड की किरायेदारी या कब्जेदारी बदलने के नाम पर भी करोड़ों का गबन किया है।

आदेश में खान को कोई रहत देने से इनकार कर दिया था और विधायक द्वारा ईडी के समन में शामिल न होने पर नाराजगी जताई थी। पीठ ने उनके वकील से कहा क्या हुआ है।

आप ने महेश खिची तो भाजपा ने कृष्ण लाल को बनाया महापौर उम्मीदवार

● रविंद्र भारद्वाज और मीता बिष्ट होंगी उपमहापौर प्रत्याशी, चारों नेताओं ने दाखिल किया नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली में एक और चुनावी जंग के लिए जमीन पूरी तरह से तैयार हो चुकी है। महापौर और उपमहापौर का चुनाव 26 अप्रैल को होना है। दिल्ली नगर निगम के इस महत्वपूर्ण चुनाव में मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच है। इस बीच दोनों दलों के प्रत्याशियों ने बृहस्पतिवार को क्रमशः महापौर और उपमहापौर के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। देशभर में फिलहाल लोकसभा चुनाव की हवा चल रही है।

एसे में दिल्ली नगर निगम के लिए होने वाले मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव पर भी सबकी निगाहें टिक गई हैं। प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करते हुए आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और विधायक दुर्गेश पाठक ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महेश खिची और रविंद्र भारद्वाज दोनों आंदोलन के समय से ही आम आदमी पार्टी से जुड़े हैं।

जतना के बीच इनकी अच्छी पकड़ है। दोनों पाईड एमसीडी में शुरू किए गए आप सरकार के अच्छे कामों को आगे बढ़ाएंगे और जनता की सेवा करेंगे। इस साल रिजर्व कटेगरी से मेयर का चुनाव होना है। आम आदमी पार्टी ने निर्णय लिया है कि इस बार आम आदमी पार्टी की तरफ से मेयर के प्रत्याशी महेश खिची होंगे। 45 वर्षीय महेश खिची करोल बाग विधानसभा के देव नगर वार्ड 84 से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हैं।

एमसीडी में समीकरण

दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के पास 134 पाईड हैं। इसके अलावा 1 निर्दलीय, 3 राज्यसभा सांसद और 13 विधायकों को भी मतदान का अधिकार है। वहीं भाजपा के पास



महापौर और उपमहापौर के लिए नामांकन दाखिल करते आप के पाईड। साथ में मंत्री आतिशी और सौरभ।



नामांकन दाखिल करने के बाद विजयी मुद्रा में कृष्ण लाल और मीता बिष्ट। फोटो: रंजन डिमरी

104 पाईड, निर्दलीय 1, सांसद 7, विधायक 1 मेयर, डिप्टी मेयर के चुनाव में 250 निर्वाचित और मनोनीत सदस्य 10 हैं। कांग्रेस के 9 पाईड हैं। पाईड, 7 लोकसभा सांसद, 3 राज्यसभा सदस्य इस आंकड़ों के मुताबिक, मेयर और डिप्टी मेयर और 14 विधायक वोट करते हैं। इस बार चुनाव दलचय होने वाला है।

केजरीवाल जमानत के लिए सेहत से कर रहे खिलवाड़ : सचदेवा

● बोले, ताकि मेडिकल आधार पर अदालत से मिल सके राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जेल में बंद अरविंद केजरीवाल के बारे में जांच एजेंसी ने जो जानकारी न्यायालय को दी है। वह चौंकाने वाली है। अभी जो जानकारी मिली है उसके अनुसार मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल का जेल में रहते हुए वजन एक किलो बढ़ा है जो कि एक सौची समझी साजिश है ताकि वह मेडिकल आधार पर जेल से बाहर निकल सके। सचदेवा ने कहा कि टाइप 2 डायबिटीज होने के बावजूद केजरीवाल

जेल में लगातार घर से मिठाई और आम मंगवा कर रहे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है की केजरीवाल को इस बात की जानकारी है कि जो सबूत जांच एजेंसियों के हाथ लगे हैं वह केजरीवाल खिलाफ है इसलिए उन्हें साधारण तरीके से जमानत की मिलाता मुश्किल है और इसलिए वह जान बूझकर अपना ब्लड शुगर लेवल बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जमानत की छटपटापट में सीएम का दोहरा चरित्र भी सामने आया है। एक तरफ राम राज्य नाम की वेबसाइट जारी की जाती है और आम आदमी पार्टी के नेता हनुमान भक्त बता रहे हैं जबकि दूसरी तरफ जेल में नवरात्रि में अंडे का सेवन कर रहे हैं। सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि

अरविंद केजरीवाल को जेल में ऐसा आहार लेते हुए देखकर चौंकाने वाला है जो कि मधुमेह रोगी के स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह से हानिकारक है। केजरीवाल को एहसास है की ईडी केस का इतना मजबूत है कि सामान्यतः अगले कुछ महीनों में उनको जमानत मिलने की संभावना नहीं है इसलिए वह चिकित्सा के आधार पर जमानत पर बाहर निकलने के लिए बेचैन है और इस के लिए वह अपने स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार है। तिहाड़ जेल केजरीवाल सरकार के अधीन है इसलिए

मुख्यमंत्री आसानी से सुविधाओं को प्रबंधित कर रहे हैं और अप्रमाणित खाद्य आपूर्ति खा रहे हैं।

ईडी के दावे पर भड़कीं आतिशी

नई दिल्ली। मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में मिल रहे घर के भोजन को रोककर उनकी जान लेने का बड़ा षडयंत्र रचा जा रहा है। ईडी ने एक अदालत में दावा किया है कि आम आदमी पार्टी के प्रमुख टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित होने के बावजूद हर दिन आम और मिठाई जैसे उच्च शर्करा वाले खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि मेडिकल आधार पर जमानत मिल सके किन्हीं अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी ने यह दावा किया। न्यायाधीश ने तिहाड़ जेल अधिकारियों को मामले में रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया जिसमें केजरीवाल का भोजन चार घंटे भी शामिल हो। इसके कुछ घंटे बाद आतिशी ने आरोप लगाया। आतिशी ने ईडी पर मुख्यमंत्री के भोजन के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा केजरीवाल के स्वास्थ्य को बिगाड़ने के लिए आनुषंगिक संगठन ईडी के जरिए कोशिश कर रही।

दिल्ली जल बोर्ड पर उठाए गए सवालों का जवाब क्यों नहीं देती सरकार : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पानी आपूर्ति की लेकर नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उपराज्यपाल पर बेबुनियाद आरोप लगाने वाले आप नेता अब दिल्ली जल बोर्ड पर उठाए गए सवालों पर खामोश क्यों हैं।

गर्मियों की शुरुआत में ही पानी की सप्लाई नहीं होने से हाहाकार मचा हुआ है। पानी के लिए हो रहे झगड़ों में हत्या तक हो रही हैं। पिछले दस सालों में दिल्ली सरकार पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए कोई ठोक कदम नहीं उठा सकी। 600 करोड़ के फायदे में चल रहा जल बोर्ड 73 हजार

● गर्मियों की शुरुआत में ही पानी को लेकर हाहाकार: भाजपा

करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। बिधूड़ी ने कहा कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दो दिन पहले जल बोर्ड के मामले में मंत्री आतिशी के पत्र के जवाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नाम जो खुली चिट्ठी लिखी है, 48 घंटे बीतने के बाद भी आम आदमी पार्टी के नेताओं की तरफ से कोई जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा। उपराज्यपाल ने जो सवाल उठाए हैं, उनका कोई जवाब आप

सरकार के पास नहीं है। बिधूड़ी ने कहा कि सता में आते ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि दिल्ली में पानी की बर्बादी रोक दी जाएगी और इसके लिए मीटर लगाए जाएंगे। वर्ष 2015 में डीजेवी का 45 फीसदी पानी बर्बाद हो जाता था और उसका कोई हिसाब ही नहीं था। आज यह आंकड़ा 58 फीसदी तक पहुंच गया है। इस बीच आप सरकार ने पानी तो नहीं बचाया लेकिन फ्लो मीटर के नाम पर 250 करोड़ रुपए खर्च कर डाले जो पानी में बह गए। इसमें करोड़ों के घपले की जांच चल रही है वर्ष 2015 में पानी का उत्पादन 906 एमजीडी थी जो अब इकोनॉमिक सर्वे 2023-24 के अनुसार 946 एमजीडी है।

संक्षिप्त समाचार



हथौड़ा राम पार्क में चौपाल के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल।

केशव पुरम के हथौड़ा राम पार्क में लगाई चौपाल

नई दिल्ली। चांदनी चौक से भाजपा प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल ने केशवपुरम के हथौड़ा राम पार्क में चौपाल लगाई। इस अवसर पर खंडेलवाल ने अपने दिन की शुरुआत केशव पुरम के हथौड़ा राम पार्क में आरडब्ल्यू की पार्क चौपाल से की, जिसमें बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने पहुंचे और उन्हें अपना बड़ा समर्थन दिया। यहां खंडेलवाल ने लोगों की समस्याओं को भी सुना और जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया

फर्नीचर के गोदाम में लगी आग

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में फर्नीचर के एक गोदाम में आग लग गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात को गोदाम में आग लगी थी। हालांकि, इसमें किसी के हाताहत होने की कोई सूचना नहीं है। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात 10:30 बजे गोदाम में आग लगने के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की 17 गाड़ियों को घटनास्थल भेजा गया। दो घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि गोदाम एक खुले इलाके में था, लेकिन आग लगने से फर्नीचर और कई टेंट जलकर खाक हो गए हैं। ऐसी आशंका है गोदाम में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी थी।

मुखबरी के शक में युवक को पीटा

नई दिल्ली। कालिंदी कुंज इलाके में मुखबरी के शक में युवक को पीट पीटकर अधमरा करने वाले तीन बदमाशों सौरभ उर्फ लेपटी, अभिषेक उर्फ भोला और सनी उर्फ घोड़ा को अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मदनपुर खादर के रहने वाले शिकायतकर्ता रमजान ने कहा कि वह थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र में दर्ज एक डाय माल में मुखबिर है, जिसमें एटीएस ने 483 किलोग्राम गांजा जब्त किया था। मोहम्मद हादफ्ज़, अजय राय, मो. सादिक, विश्वास और हकला बाबू उर्फ सफोक फरार हैं।

येलो लाइन पर चार महीने सेवा रहेगी प्रभावित

● समयपुर बादली और जहांगीरपुरी के बीच मेट्रो एक लाइन पर चलेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो की मैजेंटा लाइन के विस्तार के चौथे चरण का काम पूरा करने के लिए समयपुर बादली और जहांगीरपुरी स्टेशनों के बीच एलो लाइन पर चार महीने तक एक ही ट्रेक से मेट्रो ट्रेन की आवाजाही होगी।

अधिकारियों ने बताया कि रात 10 बजे से सुबह सात बजे तक सेवा प्रभावित रहेगी। येलो लाइन, दिल्ली के समयपुर बादली को हरियाणा के



मिलेनियम सिटी सेंटर, गुरुग्राम से जोड़ती है। दिल्ली मेट्रो रेल कांपौरेशन (डीएमआरसी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, समयपुर बादली और जहांगीरपुरी के बीच येलो लाइन पर मेट्रो ट्रेन की

आवाजाही रात 10 बजे से सुबह सात बजे तक एक ही ट्रेक पर होगी। मैजेंटा लाइन विस्तार के चौथे चरण के कार्य के निष्पादन के लिए यह आदेश बृहस्पतिवार से चार महीने की अवधि के लिए प्रभावी है।

जेएनयू राष्ट्र-विरोधी तत्वों का कभी हिस्सा नहीं रहा: कुलपति

● बोली- विश्वविद्यालय हमेशा असहमति, बहस और लोकतंत्र को बढ़ावा देता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने बृहस्पतिवार को कहा कि जेएनयू कभी भी राष्ट्र-विरोधी या टुकड़े-टुकड़े गिरोह का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा कि जेएनयू हमेशा असहमति, बहस और लोकतंत्र को बढ़ावा देता रहेगा। जेएनयू की पहली महिला कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी



पंडित ने कहा कि जेएनयू का भगवाकरण नहीं हुआ है और इसके दिन-प्रतिदिन के कामकाज में केंद्र सरकार का कोई दबाव नहीं है जेएनयू की छात्रा रहें पंडित ने स्वीकार किया कि जब उन्होंने कुलपति का कार्यभार संभाला तो परिसर में ध्रुवीकरण हो गया था और उन्होंने इस दौर को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कुलपति ने दावा किया कि दोनों पक्षों (छात्रों और प्रशासन) से गलतियां हुईं और नेतृत्व ने हालात को संभालने में गलती की।

दिल्ली से बाहर भाजपा को घेरेंगी सुनीता केजरीवाल

● रांची में 21 को इंडिया गठबंधन की रैली में होंगी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुनीता केजरीवाल दिल्ली से बाहरी भाजपा को घेरने में जुट गई हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल 21 अप्रैल को झारखंड के रांची में होने वाली इंडिया गठबंधन रैली में शामिल होंगी। इस रैली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी शामिल होंगे। इससे पहले सुनीता 31 मार्च को इंडिया गठबंधन की रांची में रैली में सार्वजनिक मंच पर दिखाई थीं। इस



रैली में वह मंच पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के पास बैठी नजर आई थीं। तब उन्होंने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। साथ ही इस दौरान अरविंद केजरीवाल के पत्र को पढ़कर सुनाया और कहा कि केजरीवाल को ये लोग ज्यादा दिन जेल में नहीं रख पाएंगे। वह करोड़ों लोगों के दिल में बसे हैं। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बड़ा मुद्दा बनाया है।

इंडिया गठबंधन में शामिल दल भी केंद्र पर साजिश के आरोप लगा रहे हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से ही सुनीता केजरीवाल राजनीति में सक्रिय नजर आ रही हैं। गत बुधवार को ही आप ने गुजरात के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। इस सूची में सुनीता का नाम दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर में अरविंद केजरीवाल का नाम है। ऐसे में साफ है कि वो गुजरात में प्रचार कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, इस मेगा रैली में कांग्रेस नेता राजुल गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा झारखंड के सीएम चंपई सोरेन भी शामिल होंगे। इस रैली के बहान इंडिया ब्लॉक के नेता यह संदेश देने की कोशिश करेंगे कि सभी विपक्षी दल चुनाव में मजबूती के साथ खड़े हैं।

ऐसी भी चर्चा है कि इस रैली झारखंड के पूर्वसीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हो सकती हैं। जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद से कल्पना सोरेन भी काफी सक्रिय हैं और मुंबई तथा दिल्ली में विपक्षी दलों के समूह की रैलियों में शामिल हो चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार, स्टार कैम्पेन बनने के बाद सुनीता केजरीवाल का नाम लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता महिला मतदाताओं के पास जा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में कुल 1.47 करोड़ मतदाता हैं। जिनमें महिलाओं की संख्या 67 लाख और पुरुषों की तादात 79 लाख है। ध्यान देने वाली बात यह है कि वोट देने वालों में 46 फीसदी महिलाएं हैं।

गुरुग्राम में कांग्रेस की टिकट राज बब्बर को मिलने की लगातार चर्चाएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम लोकसभा सीट समेत हरियाणा में अभी कांग्रेस ने टिकटों की घोषणा नहीं की है, लेकिन चर्चाओं का बाजार गर्म है। कभी कुछ लोकसभा सीटों पर सूची वायरल हो रही है तो कभी किसी नेता के नाम को राजनीति गलियारों में हवा मिल रही है। गुरुग्राम लोकसभा की बात करें तो यहां भाजपा प्रत्याशी राज इंद्रजीत खसह को टक्कर देने के लिए फिल्म अभिनेता एवं सांसद राज बब्बर के चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

वैसे उनका गुरुग्राम तो क्या हरियाणा की राजनीति में भी दूर-दूर तक किसी तरह का कोई संबंध नहीं है। गुरुग्राम लोकसभा सीट पर एक तरह से निवर्तमान केंद्रीय मंत्री राज इंद्रजीत सिंह के कब्जे वाली सीट ही है। वर्ष 2000 से अब तक राज इंद्रजीत सिंह का ही इस लोकसभा पर कब्जा है।

टिकट को लेकर पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव, राव दान सिंह, जितेंद्र भारद्वाज के नामों की भी चर्चा

रोज चर्चाओं के बीच गुजर जाता है दिन, घोषणा का है इंतजार

हालांकि वर्ष 2000 वर्ष सीट महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट थे। वर्ष 2009 में यह सीट गुडगांव लोकसभा बनी थी। वर्ष 2014 में कांग्रेस को छोड़कर राज इंद्रजीत खसह भाजपा में शामिल हुए और सांसद बनें। 2019 में फिर से बीजेपी ने उन पर दांव लगाया और वे सांसद चुने गए। अब 2024 में भी बीजेपी ने राज इंद्रजीत सिंह को ही



राज बब्बर। कैप्टन अजय यादव। राव दान सिंह। जितेंद्र भारद्वाज। चुनाव मैदान में उतारा है। जिस तरह से उनका राजनीतिक दम मजबूत है, इससे साफ है कि उनका तोड़ किसी राजनीतिक दल के पास नहीं है। राज इंद्रजीत स्वयं राजनीति दलों की झोली में गुरुग्राम लोकसभा की सीट डालते हैं। जब वे कांग्रेस में थे तो तब कांग्रेस से जीत दर्ज कर रहे थे, अब भारतीय जनता पार्टी में हैं तो अब भी वे ही जीत रहे हैं। एक तरह से यह उनकी पुरतैनी सीट बन चुकी है। ऐसे में अब कांग्रेस के समर्थक यह चुनौती तो है ही कि किस प्रत्याशी को यहां से चुनाव

कम से कम राज इंद्रजीत सिंह को टक्कर जरूर दे। फिलहाल तो ऐसा कोई नेता नजर नहीं आ रहा है।

राज बब्बर के अलावा यहां से पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव, राव दान सिंह, कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज के नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं में चल रहे हैं। लोकसभा चुनाव के मैदान में राज इंद्रजीत सिंह को टक्कर देने वाले नेता की यहां दरकार है। यहां कांग्रेस नेताओं में सिर्फ कैप्टन अजय यादव ही ऐसे नेता हैं, जिन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा है। बाकी राज दान सिंह विधानसभा का ही चुनाव लड़ते रहे हैं।

जितेंद्र भारद्वाज के पास अभी तक चुनाव लड़ने का कोई अनुभव नहीं है। वे संगठन के नेता के रूप में ही काम करते रहे हैं। ऐसे में राज इंद्रजीत सिंह की राजनीतिक जमीन में संघमारी करना कांग्रेस के लिए इतना आसान नजर नहीं आ रहा।

एसीएस के समक्ष मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने खोल दी पोल



गुरुग्राम की पटौदी-जाटौली अनाजमंडी में निरीक्षण करते हरियाणा के वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला के प्रशासकीय अधिकारी अनुराग रस्तोगी, साथ में डीसी एवं अन्य अधिकारी।

गुरुग्राम। हरियाणा के वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला के प्रशासकीय अधिकारी अनुराग रस्तोगी ने गुरुवार को पटौदी-जाटौली व फरखनगर अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मार्केट कमेटी के अधिकारियों व आदित्यों ने एसीएस के समक्ष फसल उठान में निरीक्षण दौरे में मार्केट कमेटी के अधिकारियों के साथ बैठक कर मंडी में बाहर रखे अनाज को मंडी में बने टीन शेड्स के नीचे स्टैकिंग करें, ताकि किसानों की तय समय वे उनकी पैमेंट राशि भेजी जा सके। खरीद सहित एसीएस के अधिकारियों को एसीएस ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों की फसल खरीद के लिए पूरी तरह संजोदा है। किसानों सहित आदित्यों को आने वाली दिक्कतों के समाधान के लिए प्रशासन हर समय तैयार है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक मंडी में फसल की खरीद उसका उठान नियमानुसार समय पर किया जाए। इस अवसर पर मार्केटिंग बोर्ड के जेनरल एडमिनिस्ट्रेटर मीतू धनखड़, पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, मार्केट कमेटी पटौदी के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी विपिन यादव, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी विनय यादव, हेफेड के डीएन राजेंद्र गिल सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मंडी से फसल उठान में ट्रांसपोर्ट के स्तर पर हो रही देरी

जिलों का माल उतारा जा रहा है। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने हरियाणा के वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को सिवाड़ी में दो अन्य पॉइंट्स की व्यवस्था गुरुग्राम जिला के लिए करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार फरखनगर से उठान किए जाने वाली फसल को फाजिलपुर में स्थित गोदाम में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन खरीद एजेंसियों ने गेहूं की खरीद कर ली है। वे मार्केट कमेटी के अधिकारियों के साथ बैठक कर मंडी में बाहर रखे अनाज को मंडी में बने टीन शेड्स के नीचे स्टैकिंग करें, ताकि किसानों की तय समय वे उनकी पैमेंट राशि भेजी जा सके। खरीद सहित एसीएस के अधिकारियों को एसीएस ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों की फसल खरीद के लिए पूरी तरह संजोदा है। किसानों सहित आदित्यों को आने वाली दिक्कतों के समाधान के लिए प्रशासन हर समय तैयार है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक मंडी में फसल की खरीद उसका उठान नियमानुसार समय पर किया जाए। इस अवसर पर मार्केटिंग बोर्ड के जेनरल एडमिनिस्ट्रेटर मीतू धनखड़, पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, मार्केट कमेटी पटौदी के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी विपिन यादव, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी विनय यादव, हेफेड के डीएन राजेंद्र गिल सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

बुलेट पर होकर सवार लक्ष्मी स्वेच्छा से कर रही बीजेपी का प्रचार

बुलेट रानी राज लक्ष्मी मंडा ने मोदी को फिर से पीएम बनाने को मांगे वोट

जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ किया जोरदार स्वागत

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

बुलेट रानी के नाम से फेमस तमिलनाडु की राजलक्ष्मी मंडा बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करते हुए गुरुवार को गुरुग्राम पहुंची। वोट फॉर मोदी, वोट फॉर नेशन के मिशन के साथ 21 हजार किलोमीटर की यात्रा पर निकली बुलेट रानी का यहां भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष कमल यादव, प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, जिला उपाध्यक्ष सुन्दरी खत्री, जिला सह-



गुरुग्राम भाजपा कार्यालय में बुलेट रानी का स्वागत करते जिला अध्यक्ष कमल यादव व अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता। मीडिया प्रमुख पवन यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष मयंक निर्मल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनिया यादव का स्वागत किया।

इस दौरान पत्रकार वार्ता में बुलेट रानी राज लक्ष्मी मंडा ने कहा कि मद्राई से 12 फरवरी को बुलेट बाइक यात्रा शुरू की थी। अब तक मद्राई से दिल्ली तक 65 दिनों में 21 हजार किलोमीटर का सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि मेरा एक मात्र एजेंडा तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। मद्राई से शुरू हुई यात्रा पाँडिचेरी, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, छत्तिसगढ़

उड़ीसा, झारखंड, बिहार होते हुए यूपी और यूपी से अब हरियाणा के गुरुग्राम में वे पहुंची हैं। यात्रा का अंतिम पड़ाव गुरुवार को ही दिल्ली में होगा। बुलेट रानी ने बताया कि वह मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का संकल्प लेकर निकली हैं। 65 दिनों में 15 राज्यों से होते हुए यहां आई हैं। सभी राज्यों में उन्हें पूरा मान-सम्मान और समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि स्वयं बुलेट पर चलती हैं और उनके साथ कुछ साथी भी हैं जो ट्रक में साथ चल रहे हैं। श्रीमती मंडा ने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी 400 पार का लक्ष्य जनसमर्थन से अवश्य पूरा करेंगे। राज लक्ष्मी मंडा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर वह जनता से वोट मांग रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। भारत का पूरे विश्व में मान सम्मान बढ़ा है। देश भर में प्रधानमंत्री मोदी की लहर है और दक्षिण में भी इस बार भाजपा का डंका बजेगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 10 वर्षों से बिना भेदभाव के देश की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं। पीएम मोदी का लक्ष्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। इसलिए आम आदमी स्वयं ही भाजपा के प्रचार में जुटा है। सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के मूलमंत्र पर चलते हुए पीएम मोदी हर वर्ग को सशक्त कर रहे हैं। पीएम मोदी के कार्यों ने बुलेट रानी को काफी प्रभावित किया है, इसलिए वह 21 हजार किलोमीटर की यात्रा करके यहां पहुंची है भाजपा का प्रचार कर रही हैं।

दीप्ति रोहिल्ला ने यूपीएससी में 39वां रैंक हासिल किया



यूपीएससी में 39वां रैंक हासिल करने वाली दीप्ति रोहिल्ला को शुभकामनाएं देते रोहिल्ला टांक क्षत्रिय सभा गुरुग्राम के फूलचंद वर्मा व उपप्रधान महाताब सिंह रोहिल्ला ने घर चरक शुभकामनाएं दीं।

वर्तमान में मारुति कुंज गुरुग्राम में रह रहे कमल सिंह रोहिल्ला मूलरूप से दिल्ली के टीकरी कला गांव के रहने वाले हैं। मारुति उद्योग में सीनियर इंजीनियर कमल यादव ने बेटी दीप्ति रोहिल्ला का अच्छी शिक्षा दिलाकर यूपीएससी की तैयारी कराई और दीप्ति ने अपना टैलेंट दिखाते हुए ऑल इंडिया 39वां रैंक हासिल किया है। फूलचंद वर्मा व महाताब सिंह रोहिल्ला ने दीप्ति रोहिल्ला को घर पहुंचकर बुके देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेटियों को समाज में आगे बढ़ाने के लिए अच्छी शिक्षा बहुत जरूरी है। हर समाज में बेटियों को शिक्षित किया जाना बहुत जरूरी है। क्योंकि हमारी बेटियों ने हमारा नाम रोशन किया है। उन्होंने पूरे रोहिल्ला टांक समाज की ओर से दीप्ति एवं उसके माता-पिता को हार्दिक बधाई दी। दीप्ति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। व्यापार प्रकोष्ठ हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने भी दीप्ति रोहिल्ला को यूपीएससी में 39वां स्थान मिलने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां प्रतिभावान हैं, यह यूपीएससी के परिणाम में फिर से साबित हो गया। उन्होंने समाज के हर वर्ग से आह्वान किया कि बेटियों को अच्छी शिक्षा देकर आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें।

चुनाव के दौरान लाइसेंस वालों को भी जमा करवाने होंगे हथियार

जिलाधीश द्वारा जिला में लागू है धारा 144

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा के लिए होने वाले आम चुनाव को देखते हुए जिला के लोगों की सुरक्षा के लिए धारा 144 के तहत निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का हथियार अपने साथ नहीं रख सकता। ये आदेश लोकसभा चुनाव पूरा होने तक लागू रहेंगे। जिलाधीश के निर्देशों के अनुसार जिला के सभी लाइसेंस हथियार धारकों को संबंधित थानों में हथियार जमा करवाने जरूरी हैं। जिलाधीश एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि जिला का कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का हथियार लिए पाया जाता है तो उसे आम जनता के लिए खतरनाक



मानकर अपराध समझा जाएगा। जिला में कोई भी व्यक्ति आग्नेय अस्त्र, बरछी, भाला, चाकू, लाठी, साईकिल की चेन और किसी भी प्रकार की चीज जो हथियार के रूप में प्रयोग हो सके, को अपने साथ नहीं रख सकता है। जिसके लिए दही व्यक्ति को धारा 144 के तहत अपराधी मानकर दण्डित किया जा सकता है।

जिलाधीश के निर्देशानुसार इंडियन पैनल कोड 1973 की धारा 144 के तहत चुनाव प्रक्रिया के समय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह आदेश जारी किए गए हैं और इन आदेशों के अनुसार केवल पुलिस कर्मी और ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों को हट्ट दी गई है।

रेड क्रॉस के आजीवन सदस्य बने समाजसेवी अजय शर्मा

रेड क्रॉस के आजीवन सदस्य बनने पर सचिव विकास कुमार ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विकास मंच एवं ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन के माध्यम से लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय अजय शर्मा सेवा कार्यों को और अधिक गति देने के लिए जिला रेड क्रॉस सोसायटी से जुड़े हैं। आजीवन सदस्य के रूप में उन्होंने रेड क्रॉस सोसायटी की सदस्यता ली है। रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सचिव विकास कुमार ने कहा कि रेड क्रॉस सेवा का एक बहुत बड़ा माध्यम है। युद्ध में घायलों की मदद के लिए गठित की गई यह संस्था अब समाज में हर स्तर पर सेवाएं दे रही है। निष्काम भाव से सेवा करना ही रेड क्रॉस के सदस्यों की प्राथमिकताओं में रहता है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस के साथ जुड़कर युवा जनसेवा के क्षेत्र में काम करें। हमें अपने साथ समाज के लिए भी कुछ सोचना



अजय शर्मा को आजीवन सदस्यता का पत्र सौंपते रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार। इसके लिए अजय शर्मा जैसे ऊर्जावान युवा भी प्रेरणा स्रोत हैं। समाज सेवी अजय शर्मा ने कहा कि इसमें कोई दौरा नहीं कि रेड क्रॉस की सेवाएं समाज में अनुकरणीय रहती हैं। रक्त दान, दिव्यांगों के लिए उपकरण समेत अनेक प्रकार से रेड क्रॉस सेवाएं देता है। वे भी समाजसेवा के क्षेत्र से जुड़े हैं। इसलिए रेड क्रॉस के साथ मिलकर सेवाओं को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के युवाओं में सामाजिक सेवाओं के प्रति रेड क्रॉस के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों की 25 अप्रैल से होगी ट्रेनिंग

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में दी जाएगी ट्रेनिंग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव के लिए पीठासीन और वैकल्पिक पीठासीन अधिकारियों को सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय के सभागार में 25 से 28 अप्रैल तक रोजाना तीन चरणों में ईवीएम मशीन तथा मतदान प्रक्रिया की ट्रेनिंग दी जाएगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने बताया कि निर्वाचन विभाग से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर सभी पीठासीन और वैकल्पिक पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार व



डीसी निशांत कुमार यादव।

रोडवेज जीएम प्रदीप अहलावत की रहेगी। डीसी ने बताया कि 25 अप्रैल को सुबह नौ बजे, दोपहर 12 बजे और तीन बजे पटौदी विधानसभा क्षेत्र, 26 अप्रैल को इसी प्रकार तीन चरणों में बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र, 27 अप्रैल को गुरुग्राम एवं 28 अप्रैल को सोहना विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर नियुक्त होने वाले पीठासीन व वैकल्पिक पीठासीन अधिकारियों को चुनाव का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों में

1270 पोलिंग बूथ हैं। इन सभी पोलिंग बूथ के अलावा रिजर्व में रहने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को यह ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करवाना एक बड़ी जिम्मेदारी का काम है। इसलिए जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को बतौर पीओ और एपीओ की ड्यूटी लगाई गई है, वे मतदान शुरू करवाने से लेकर इसे पूर्ण करवाने तक की प्रक्रिया को ध्यान में समझें। कोई सवाल मन में है तो उसे अवश्य पूछें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन चारों दिनों ट्रेनिंग में ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, बैलेट पेपर यूनिट, वीवीपैट मशीन, अपने बूथ के संभालना, मतदान प्रक्रिया से संबंधित फार्मों को भरना, मतदान किट को प्रणाली और सामान वापस जमा करवाना आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा।

डोर टू डोर में मिली गलतियों पर एजेंसी के सुपरवाइजर और कर्मचारियों को लगाई फटकार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर बार्डों का दौरा किया। दौरे के दौरान डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के कर्मचारियों का कार्य में लापरवाही बरते जाने पर फटकार लगाई। शहर के मंगलनगर में स्थित बरसाती नाले की तुरन्त प्रभाव से सफाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

नगर परिषद की कार्यकारी अधिकारी सुमन लता ने सफाई इंस्पेक्टर सतेन्द्र कुमार और सुपरवाइजरों के साथ लेकर शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। कार्यकारी अधिकारी ने शहर के उन स्थानों का औचक निरीक्षण किया। जहां-जहां जलभराव होता है। ताकि प्राथमिकता के आधार पर उक्त स्थानों पर बनी समस्या का समाधान हो सके। कार्यकारी अधिकारी ने वार्ड-19 की मंगलनगर कॉलोनी का दौरा किया। कॉलोनी में से जा रहा बरसाती पानी के नाले का भी औचक निरीक्षण किया। नाला गंदे पानी से लबालब



गुरुवार को सोहना नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी सुमन लता शहर के अंदर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करते हुए। भरा देख मौके पर मौजूद सफाई इंस्पेक्टर सतेन्द्र यादव को तुरन्त प्रभाव से नाले की सफाई करने के आदेश दिए गए। आदेशों की पालना के 24 घंटा में नाले की सफाई कराना अतिआवश्यक बताया। डोर टू डोर व्यवस्था मिली खराब : डोर टू डोर कूड़ा उठाने का कार्य कर रही पूजा कंस्यूलेशन एजेंसी के कर्मचारी व सुपरवाइजरों को मौके पर ही फटकार लगाई। कूड़ा हर दिन न उठाए जाने की शिकायत अधिकारी को वार्ड निवासियों से मिली। एजेंसी कर्मचारियों को मौके पर ही चेतावनी देते हुए लापरवाही को

नगर निगम का दावा, हॉर्टिकल्चर वेस्ट का नियमित किया जा रहा उठान

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम का दावा है कि पतझड़ के मौसम के चलते निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर उत्पन्न हो रहे हॉर्टिकल्चर वेस्ट का उठान नियमित रूप से नगर निगम की बागवानी शाखा द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। बागवानी शाखा के कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता स्वयं विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। मौके पर उपस्थित रहकर कचरा उठान सुनिश्चित करवा रहे हैं।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा हॉर्टिकल्चर वेस्ट उठान के लिए जारी किया गया वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर-7290076135 भी लगातार एक्टिव है। नागरिक इस पर प्रतिदिन शिकायतें भेज रहे हैं। प्राप्त शिकायतों का समाधान भी निगम टीमों द्वारा तत्परता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है। वीरवार को सेक्टर-12ए, सुरांत लोक-1, सेक्टर-15 पार्ट-2, पेटेल नगर, सेक्टर-4, सेक्टर-10, सेक्टर-10ए, सेक्टर-39, न्यू कॉलोनी, सेक्टर-5, फ्रेंड्स कॉलोनी, सिविल लाईंस सहित अन्य क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। टीमों ने सड़कों के किनारों, पार्कों



गुरुग्राम में हॉर्टिकल्चर वेस्ट उठाते नगर निगम के कर्मचारी। सहित अंदरूनी सड़कों पर पड़े हॉर्टिकल्चर वेस्ट को उठाना। उल्लेखनीय है कि नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ द्वारा गत दिनों बागवानी शाखा के कार्यकारी अभियंता मनोज कुमार को कड़े निर्देश दिए थे कि निगम क्षेत्र में इधर-उधर फैले हॉर्टिकल्चर वेस्ट का उठान नियमित रूप से किया जाए। पतझड़ का मौसम होने के कारण पेड़ों के पत्ते झड़ रहे हैं और उनमें आग लगने की घटनाएं भी हो रही हैं। निगमायुक्त अधिकारी जिम्मेदारी से भी बार-बार अपील की जा रही है कि वे पत्तों आदि में आग ना लगाएं। अगर कहीं पर हॉर्टिकल्चर वेस्ट पड़ा हुआ है तो उसका उठान करवाने के लिए वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत भेजें।

सोहना मंडी में सरसों की आवक 50 हजार के पार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय अनाज मंडी में सरसों की आवक 50 हजार क्विंटल से पार पहुंच गई है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस साल 17 मई तक सरसों की आवक 30 हजार 620 क्विंटल अधिक हुई है। क्षेत्र के किसानों द्वारा सरकार को बेचने के लिए स्थानीय अनाज मंडी में सरसों की आवक 50 हजार क्विंटल को कूद गई है। 27 अप्रैल से अब तक कुल सरसों की आवक 50 हजार 214 क्विंटल हुई है। पिछले साल 17 अप्रैल तक सरसों की कुल आवक 19 हजार 594 क्विंटल हुई थी।

पिछले वर्ष की अपेक्षा इस साल अब तक 30 हजार 620 क्विंटल सरसों की आवक अधिक हो चुकी है। इस बार सरसों की खरीद के लिए सरकार की तरफ से हेफेड और हरियाणा कॉर्पोरेशन वर्कस एजेंसी को उठव से अधिक सरसों यहा की फड़ों सौंपी थी। लेकिन हेफेड सरसों तथा वेयर हाउस गेहूं की सरकारी खरीद में अधिक जोर दे रही है। हेफेड ने अब तक कुल 35 हजार 104 क्विंटल सरसों की खरीद की है। जबकि वेयर हाउस ने इससे भी लगभग तीन गुणा



सोहना की अनाज मंडी में लगे सरसों से भरे कट्टे।

से कम 8 हजार 847 क्विंटल की ही खरीद की है। सोहना : हेफेड और हरियाणा वेयर हाउस द्वारा अब तक स्थानीय अनाज मंडी से सरसों का कुल उठव 31 हजार 620 क्विंटल का किया है। जिसमें हेफेड ने 19 हजार 503 क्विंटल तथा वेयर हाउस ने 1650 क्विंटल सरसों का उठव कराया है। अभी स्थानीय मंडी में उठव से अधिक सरसों यहा की फड़ों सौंपी थी। लेकिन हेफेड सरसों तथा वेयर हाउस गेहूं की सरकारी खरीद में अधिक जोर दे रही है। हेफेड ने अब तक कुल 35 हजार 104 क्विंटल सरसों की खरीद की है। जबकि वेयर हाउस ने इससे भी लगभग तीन गुणा

सरसों का उठव ठेकेदार द्वारा तेज कर दिया है। जिससे पिछले करीब पांच दिन में 8 से 10 हजार क्विंटल सरसों का उठव हुआ है। गोदाम पर सरसों से भरे कट्टों को उतारने समय लग रहा है।

(पुकेश कुमारी-खरीद अधिकारी हेफेड)

सरसों आने गेहूं की आवक में कमी आई है। किसान अब अपनी फसल को बिकी के दौरान परेशान नहीं है। आवक से लेकर उठव तक का कार्य सही चल रहा है।

(सुनीता देवी-सचिव मार्केट कमेटी)

सरकार को खुले में लगे सरसों से भरे कट्टों का किया जा रहा है। सरसों की आवक हुई कम : स्थानीय अनाज मंडी में पिछले 21 दिन से लगातार चल रही सरसों की आवक कम होने लगी है। बुधवार को कुल 483 क्विंटल सरसों किसानों द्वारा लाकर बेची गई। एक दिन में आने वाली कुल सरसों की आवक पिछले एक सप्ताह से 500 के लगभग ही रहने लगी है।

सुप्रीम कोर्ट की राय बैलट पेपर अस्वीकार्य

सर्वोच्च न्यायालय ने मतदान के लिए बैलट पेपर का विचार खारिज कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने एलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों-ईवीएम की आलोचना खारिज करते हुए आम चुनाव उनके द्वारा ही कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उसने बैलट पेपर की वापसी का विचार सिरे से खारिज कर दिया है। यह कथन ईवीएम की विश्वसनीयता पर चल रही बहस के दौरान आया है। अनेक विपक्षी नेताओं ने सार्वजनिक रूप से ईवीएम परिणामों की सटीकता पर संदेह व्यक्त किया था तथा इनमें छेड़छाड़ व लोकतांत्रिक प्रक्रिया को संभावित नुकसान पर चिन्ता प्रकट की थी। सर्वोच्च न्यायालय का दृष्टिकोण 'चुनाव सुधारों' के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के पक्ष में है जिसमें पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक व्यवहारों की प्रभावशीलता के बीच संतुलन हो। चुनावों में ईवीएम का प्रयोग कांग्रेस सरकार द्वारा भारत में 1990 के दशक में शुरू करने के बाद से ही विवाद का विषय रहा है। जहां इसके पक्षधर चुनाव प्रक्रिया में इसकी प्रभावशीलता, सटीकता तथा क्षमता को रेखांकित करते हैं, वहीं आलोचकों को इसकी संभावित हैकिंग, टैपरिंग तथा छेड़छाड़ की चिन्ता है। इन चिन्ताओं के कारण परंपरागत बैलट पेपरों की वापसी की मांग की गई थी क्योंकि कुछ लोग इसे मतदान का ज्यादा सुरक्षित व पारदर्शी तरीका मानते थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने इस वापसी से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियां रेखांकित की हैं। बैलट पेपर से ईवीएम में परिवर्तन चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम था। ऐसे में बैलट पेपर की वापसी न केवल तकनीकी रूप से एक प्रतियोगी कदम होता, बल्कि इससे भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में बड़े पैमाने पर चुनाव कराना भी बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता।

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना बिल्कुल सही है कि ईवीएम की जगह बैलट पेपर की वापसी बहुत बड़ी समस्या पैदा करेगी। हालांकि, 'वोटर वैरिफाइबल पेपर आडिट ट्रेल'-वीवीपेट एक मध्य मार्ग है। एलेक्ट्रॉनिक वोटिंग तथा परंपरागत बैलट पेपर व्यवस्था के बीच संबंध के रूप में यह मतदाता को कागज की एक पर्ची के माध्यम से इस बात की पुष्टि का अवसर देता है कि उसका वोट एक खास उम्मीदवार के नाम और चुनाव निशान में गया है। ऐसे में उम्मीदवार के नाम वाली इन कागज की पर्चियों को एकत्र कर एलेक्ट्रॉनिक मतों के साथ उनकी गणना करने से व्यवस्था को पारदर्शी बनाने में बहुत सहायता मिलेगी। ईवीएम के आलोचकों ने अक्सर चुनाव परिणामों में कथित छेड़छाड़ व विसंगतियों की ओर संकेत किया है। हालांकि, इन चिन्ताओं पर गौर किया जाना चाहिए, पर वास्तविक मुद्दों तथा राजनीतिक एजेंडों के चलते आधारहीन दावों के बीच अंतर करना जरूरी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्ठा सर्वोपरि है और किसी प्रकार के कदाचारों की गंभीरता से जांच कर उनको संबोधित किया जाना चाहिए। चुनाव परिणामों की वैधता में दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका है, अतः पारदर्शिता व जवाबदेही मजबूत करने के प्रयास जरूरी हैं। तकनीकी प्रगति को एकदम खारिज करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया में सुरक्षा, पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाने पर विचार होना चाहिए। वर्तमान समय में 10 प्रतिशत ईवीएम व वीवीपेट पर्चियों की गिनती का मिलान किया जाता है। अब तक ईवीएम से हुए अनेक चुनावों में इसमें कोई अंतर नहीं पाया गया है। ऐसे में सारी वीवीपेट पर्चियों व ईवीएम की गिनती का मिलान अत्यावहारिक तथा प्रक्रिया में लंबा खींचने वाला होगा। इसे अनिवार्य बनाने से ईवीएम का लाभ समाप्त हो जाएगा।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज हुई हैं। यहां कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर होना तय है। कर्नाटक के 28 चुनाव क्षेत्रों में 26 अप्रैल व 7 मई को मतदान होगा। यहां कांग्रेस पार्टी तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के सभी प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में अभियान तेज करने के लिए राज्य का कई बार दौरा कर चुके हैं। भाजपा को पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का समर्थन प्राप्त है जो लिंगायत समुदाय के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं और उनका राज्य में बहुत बड़ा 'वोटबैंक' मौजूद है।

कर्नाटक में लोकसभा का वर्तमान चुनाव राज्य के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह उसके इतिहास में एक उल्लेखनीय मोड़ निर्धारित करेगा। कर्नाटक को दक्षिण भारत में भाजपा का प्रवेश द्वार कहा जाता रहा है। अतीत पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि अनेक वर्षों तक यह कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है। कर्नाटक ने कांग्रेस और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आपातकाल के उस दौर में भी समर्थन किया था जब उनकी पार्टी को उतर भारत में तगड़ा धक्का लगा था। आपातकाल के बाद भी यह राज्य कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना रहा। कर्नाटक का इसलिए भी कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यहां श्रीमती इंदिरा गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी को विजय मिली थी। इन दोनों ने कर्नाटक में कांग्रेस को मजबूत करने में काफी योगदान दिया था।

कर्नाटक में वर्तमान लोकसभा चुनाव न केवल चुनावी मुकाबला है, बल्कि यहां कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी-भाजपा और जनता दल सेक्युलर के गठबंधन के बीच बहुत कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। वर्तमान चुनाव के माध्यम से भाजपा कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य में फिर से अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है जहां उसकी प्रदेश सरकार रही

कर्नाटक में शक्ति प्रदर्शन

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज हुई हैं। यहां कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर होना तय है।



है। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के परिणाम नीतिगत प्राथमिकताओं तथा प्रशासनिक शैली में परिवर्तन ला सकते हैं जिसका प्रभाव संभवतः राज्य की अर्थव्यवस्था तथा समाज के सभी आयामों पर पड़ेगा। चुनाव परिणाम लोगों के जीवन पर व्यापक प्रभाव छोड़ेंगे। इसलिए चुनाव प्रक्रिया में आम जनता की भागीदारी तथा उसकी राजनीतिक प्रक्रिया को समझ बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय जनता पार्टी-भाजपा कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करना चाहती है ताकि वह दक्षिण भारत में अपना क्षेत्रीय प्रभुत्व और मजबूत कर सके। इससे भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में स्थिति भी मजबूत होगी तथा वह दक्षिण भारत में अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकेगी। दक्षिण भारत में कर्नाटक में ही भाजपा प्रदेश सरकार बनाने में सफल हुई थी, पर हालिया विधानसभा चुनाव में उसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सवाल है, वह राज्य में लोकसभा चुनावों में विजय प्राप्त कर अपनी राज्य सरकार को मजबूती प्रदान करना चाहती है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के नेतृत्व वाला जनता दल सेक्युलर-जेडीएस भी राज्य के अत्यधिक प्रतियोगी राजनीतिक परिवेश में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। अतीत में जेडीएस यहां महत्वपूर्ण तीसरी शक्ति था पर बाद में उसका प्रभाव घटा और वर्तमान समय में वह अपने अस्तित्व के लिए भी संघर्ष कर रहा है। कुल मिला

कर कहा जाए तो जेडीएस अपनी राजनीतिक दीर्घजीविता प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस तथा भाजपा के चुनाव अभियान पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि भाजपा का कर्नाटक में प्रचार अभियान मुख्यतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस साल से चल रही केन्द्र सरकार की उपलब्धियां रेखांकित करने के साथ ही कांग्रेस की विफलतायें उजागर करना है। भाजपा दो प्रभावशाली समुदायों-लिंगायतों व वोक्कालिंगा को अपने साथ मजबूती से जोड़ने का प्रयास कर रही है जिनका उसकी चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान है।

राज्य में प्रभुत्वशाली लिंगायत समुदाय परंपरागत रूप से भाजपा का समर्थक रहा है। इसने भाजपा की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा राज्य का एक और प्रभावशाली समुदाय वोक्कालिंगा परंपरागत रूप से जेडीएस का मजबूत गढ़ रहा है। इन समुदायों को अपने पक्ष में मजबूती से जोड़े रखना भाजपा तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा को कुछ स्थानीय विरोधाभासों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह 2014 के बाद पहली गंभीर स्थिति है जब पार्टी को खुले विद्रोह का सामना करना पड़ा था। उनका मानना है कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन की जमीनी स्तर पर स्वीकार्यता को और मजबूत करने की जरूरत है। हालांकि,

कांग्रेस में भी सीट बंटवारे व अन्य मुद्दों पर व्यापक विद्रोह की स्थिति है जिसके चलते उसके अनेक विद्रोही उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस कर्नाटक लोकसभा चुनाव में विजय के लिए खासकर एससी, एसटी व मुसलमानों के समर्थन पर जोर दे रही है। कांग्रेस ने पिछले साल पांच मूल चुनावी 'गारंटियों' का वादा किया था जिनका क्रियान्वयन हो गया है। इनमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा तथा शिक्षा एवं रोजगार सृजन के लिए ज्यादा धन आबंटन शामिल हैं। इन गारंटियों का लक्ष्य क्षेत्र के मतदाताओं की खास चिन्ताओं को संबोधित करना तथा समाज कल्याण व आर्थिक विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता प्रकट करना है।

एडिना, न्यूज 18 व इंडिया टुडे समूह द्वारा कराए तीन चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों ने कर्नाटक लोकसभा चुनावों के बारे में परस्पर विरोधी अनुमान व्यक्त किए हैं। एडिना ने अनुमान लगाया है कि कांग्रेस को 17 सीटें तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 11 सीटें मिलेंगी। वहीं न्यूज 18 का अनुमान है कि राजग यानी भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 25 सीटों पर विजय मिलेगी और कांग्रेस केवल 3 सीटों तक सिमट जाएगी। इंडिया टुडे समूह का अनुमान है कि राजग को 53 प्रतिशत मत मिलेंगे और वह 24 सीटों पर विजय पाने में सफल होगी। उसके अनुसार, क्षेत्रीय पार्टियों के कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन को 42 प्रतिशत वोटों

के साथ केवल 4 सीटों पर सफलता मिलेगी। ये चुनाव पूर्व सर्वेक्षण वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को झांकी पेश करते हैं। चुनाव सर्वेक्षण पाठकों को चुनाव के संभावित परिणाम समझने में मदद करते हैं। वर्तमान स्थिति 2019 के चुनाव से एकदम उलट है जब कांग्रेस और जेडीएस में गठबंधन था। भाजपा का उद्देश्य पुराने मैसूर में वोक्कालिंगा वोट अपने पक्ष में ला कर चुनाव में विजय पाना है। पुराने मैसूर में वोक्कालिंगा प्रभावशाली समाज है जो परंपरागत रूप से जेडीएस का समर्थक रहा है। इस समुदाय को जीतने की भाजपा की रणनीति में जातीय समीकरण, विकास के वादे तथा कांग्रेस सरकार की विफलतायें उजागर करना शामिल है। यदि यह राजनीति सफल होती है तो इससे चुनाव परिणामों तथा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

भाजपा ने अपने उम्मीदवारों में लोकप्रिय कार्डियोलॉजिस्ट, मैसूर राज परिवार के सदस्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री को शामिल किया है। इसने कुछ नए चेहरों को भी मैदान में उतारा है। कांग्रेस के लिए उम्मीदवारों में अनेक मंत्रियों के रिश्तेदार शामिल हैं और ये उम्मीदवार चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा ने राज्य में पहली सरकार 2008 में बनाई थी, लेकिन तबसे सरकारें उलटने का खेल जारी है। विधायकों को पालाबदल के लिए ललचाने में पैसा और पद महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इससे राज्य की राजनीति में एक और जटिलता पैदा हुई है। कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन चुनाव प्रचार में अपने सारे संसाधन झोंक रहे हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव मतदाताओं को पिछले विधानसभा चुनाव में विजयी कांग्रेस पार्टी और राज्य में पहले सत्तारूढ़ रही भाजपा के बीच फैसला करना है।

हालांकि, कुछ लोग कांग्रेस को पसंद कर सकते हैं, पर भाजपा के पास अपना प्रतिबद्ध समर्थक आधार है। यदि मतदाता भाजपा को अस्वीकार कर देते हैं तो इसका अर्थ कम से कम अस्थायी रूप से इसकी दक्षिण भारत में पहुंच के प्रयासों पर विराम लगेगा। इसके उलट यदि दो चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार भाजपा-जेडीएस गठबंधन को विजय मिलती है तो प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत होंगे तथा भाजपा का पूरे दक्षिण भारत में विस्तार सुनिश्चित होगा।

जलवायु परिवर्तन के प्रति आध्यात्मिक दृष्टिकोण

प्रकृति के साथ सद्भाव के जीवन में लौटने के लिए, हमें अपनी आध्यात्मिक पहचान का एहसास करने की आवश्यकता है।

ब्रह्मकुमार निकुंज

(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)



सदियों पहले किसी को भी जलवायु परिवर्तन की चिन्ता नहीं थी, क्योंकि ऐसा करने का कोई कारण ही नहीं था। लेकिन जैसे-जैसे मनुष्यों ने प्रकृति से अधिक दोहन किया और अत्यधिक जहरीले पदार्थों सहित कचरे की बढ़ती मात्रा को इसमें डाला, पारिस्थितिक संतुलन बाधित होने लगा। यह प्रकृति सदियों से तेज हुई है और हमें वर्तमान स्थिति में ले आई है, जहां कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, संपूर्ण मानव जाति शीघ्र ही विलुप्त होने का सामना कर रही है।

कभी-कभी जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को भविष्य में होने वाली घटनाओं के रूप में सोचा जाता है।

लेकिन वैज्ञानिकों को इस बात के बढ़ते सबूत मिल रहे हैं कि ग्रह अब बदल रहा है - और इस घटना के लिए लोगों को दोष का एक बड़ा हिस्सा लेना चाहिए। वे आगे बताते हैं कि औद्योगिक और वाहन प्रदूषण, सीएफसी के उपयोग और जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों की लूट के माध्यम से अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन ने ओजोन परत को नष्ट कर दिया है। इसने अधिक से अधिक सौर विकिरण को पृथ्वी के वायुमंडल के अंदर फंसा दिया है। परिणामस्वरूप, पृथ्वी गर्म हो रही है जिससे हाल के दिनों में बाढ़, भूकंप, सुनामी और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक उथल-पुथल की श्रृंखला शुरू हो गई है।

ऐसी स्थिति को रोकने के लिए इंसानों को खुद पर काम करने की जरूरत है। मनुष्य को प्रकृति पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। मानव आत्मा उन सभी भौतिक वस्तुओं का स्वामी है। जब आत्मा स्वयं को शरीर के साथ पहचानने लगती है तो वह पदार्थ और विकारों के प्रभाव में आ जाती है। सतयुग और त्रेता युग में, जब सभी मानव



आत्माओं में आत्म-जागरूकता और दिव्य गुण थे, प्रकृति उनकी आज्ञाकारी सेवक थी। प्रकृति के तत्वों ने उस युग में जीवन को सुखमय बना दिया था, जिसे धार्मिक ग्रंथों में स्वर्ग या बैकूट के रूप में याद किया जाता है।

क्योंकि उस संसार के दिव्य प्राणी विकारों से मुक्त थे, उन्होंने कभी भी प्रकृति का शोषण या विनाश नहीं किया।

पर्यावरण-अनुकूल होने के बजाय, उनके पास वास्तव में अनुकूल वातावरण था। वे न केवल अपने साथी प्राणियों के मित्र थे, बल्कि सभी प्राणियों के भी मित्र थे। यह स्थिति द्वापर युग की शुरुआत तक जारी रही जब आत्माएं भूल गईं कि वे कौन हैं और शरीर और विकारों के प्रभाव में आने लगीं। फिर उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना शुरू कर दिया

और धीरे-धीरे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया। बदले में, प्रकृति ने भी उन आत्माओं की आज्ञा का पालन करना बंद कर दिया, जिन्होंने खुद पर नियंत्रण खो दिया था। जैसे-जैसे बुराइयों का प्रभाव बढ़ता गया, वैसे-वैसे प्रकृति की लूट भी बढ़ती गई और जो एक समय सौहार्दपूर्ण रिश्ता था, वह शोषक और शोषित के बीच के रिश्ते में बदल गया।

भारत के प्रधान मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कहा, हम अंधाधुंध उपभोग का रास्ता अपनाए बिना भी समान स्तर का विकास, समृद्धि और खुशहाली हासिल कर सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान होगा; इसका मतलब यह होगा कि हमारी अर्थव्यवस्थाएं एक अलग चरित्र धारण कर लेंगी। भारत में हमारे लिए, प्रकृति के प्रति सम्मान अध्यात्मवाद का एक अभिन्न अंग है। हम प्रकृति के उपहारों को पवित्र मानते हैं। योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। योग मन और शरीर की एकता का प्रतीक है; विचार और कार्य; संयम और पूर्ति;

मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य; और स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, बल्कि स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना की खोज करना है। हमारी जीवनशैली में बदलाव और जागरूकता पैदा करके, यह हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है।

अब, यदि हम कगार से वापस जाना चाहते हैं और प्रकृति के साथ सद्भाव के जीवन में लौटना चाहते हैं, तो हमें अपनी आध्यात्मिक पहचान और मूल्यों का एहसास करना होगा। इस तरह की जागरूकता हमें स्वाभाविक रूप से पर्यावरण-अनुकूल बनाएगी और एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी जो प्रकृति के तत्वों को फिर से हमारे साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। यदि मनुष्यों का एक महत्वपूर्ण समूह इस आध्यात्मिक जागरूकता के साथ जीना शुरू कर दे, तो प्रकृति स्वयं ही हमारी मित्र बन जाएगी और मानवता एक संदिग्ध भविष्य के बजाय एक सुनहरा भविष्य देखेगी।

आप की बात

दलबदल की चिन्ता

मायावती ने कहा है कि सत्ता में आने पर हम दलबदल कानून को और अधिक सख्त बनाएंगे। हमारी पार्टी किसी भी पार्टी के विधायकों व सांसदों को तोड़ने वालों को उचित सबक सिखाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि हर बार हमारी पार्टी के विधायकों एवं सांसदों को तोड़ लिया जाता है। बसपा सुप्रीमो की चिन्ता और पीड़ा अपनी जगह उचित है। आमतौर से बसपा समेत छोटी पार्टियों के नेताओं को तोड़ना बड़ी पार्टियों की आदत बन गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसपा विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल किया था, जबकि वे पहले से ही कांग्रेस का समर्थन कर रहे थे। बसपा पर मंडराने संकट को देखते हुए ही कुछ महीने पहले मायावती ने कहा था कि वे बहुजन समाज के हित में अपने विधायकों को खुले मन से सरकारों में शामिल करने पर विचार करेंगी। यह बसपा के उम्मीदवारों तथा निर्वाचित विधायकों या सांसदों के लिए संकेत था। हालांकि, दलबदल के पीछे निर्वाचित नेताओं में राजनीतिक भविष्य की चिन्ता अधिक होती है। बसपा के राजनीतिक भविष्य पर मंडराने खतरों के कारण ही उसके निर्वाचित दस सांसदों में से अधिकांश उसका दामन छोड़ कर दूसरे ठिकाने तलाश करने की ओर आगे बढ़ गए हैं।

- एमएम राजावत, शाजापुर

कांग्रेसी घोषणायें

कांग्रेस के न्याय पत्र से स्पष्ट है कि वह उथल-पुथल की स्थिति में है। कांग्रेस ने अपनी योजनायें और विचारधारा व्यक्त की हैं, लेकिन उसकी निर्णय शक्ति पर सवाल उठते हैं। पार्टी द्वारा उठाए आर्थिक मुद्दों और नौकरी के मोर्चे पर किए वादों पर संदेह है। क्या केवल सरकारी नौकरी के माध्यम से सम्पूर्ण राष्ट्र को रोजगार समस्या हल हो सकती है? क्या यह वास्तव में सम्भव है? इसके अलावा आरक्षण और जातिगत जनगणना के वादों पर भी सवाल उठते हैं। क्या यह नौकरी और शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाएगा या विभाजन पैदा करेगा? क्या यह सामाजिक समरसता बढ़ाएगा या विवादों को विस्फोटक बनाएगा? कांग्रेसी घोषणाओं में जातीय व वामपंथी सोच हावी है जो समाज में विभाजन और विवाद का कारण बन सकती है। ऐसी नीतियाँ समाज में सबके लिए समान रूप से प्रभावी नहीं हो सकती हैं। देश की सबसे पुरानी 138 साल की कांग्रेस अपने जन्म के समय से ही मध्यमार्गी तथा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी रही है, लेकिन पिछले दस साल से वह सत्ता के लिए तड़प रही है। इस स्थिति में वह अपना इतिहास, वैचारिक गंभीरता तथा बौद्धिक परिपक्वता आदि भुला कर सतही सोच वाले लोगों का शिकार बन गई है।

- अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

धूम्रपान निषेध

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बच्चों को धूम्रपान की लत से दूर रखने के लिए एक बिल ले आए। उनकी कंजरवेटिव पार्टी के बावजूद यह बहुमत से पारित हो गया। सांसदों ने धूम्रपान मुक्त पीढ़ी बनाने और धूम्रपान से होने वाली मौतों की संख्या कम करने की सरकारी योजनाओं के का समर्थन में मतदान किया। विपक्षी लेबर पार्टी ने भी इसका समर्थन किया। इसके अनुसार, 2009 या उसके बाद पैदा ब्रिटिश किशोर व किशोरियों को सिगरेट नहीं बेचा जा सकेगा। 2024 से 15 वर्ष या उससे कम उम्र के किसी भी व्यक्ति के सिगरेट खरीदने पर प्रतिबंध होगा। ब्रिटेन का यह धूम्रपान-निषेध कानून भविष्य में और व्यापक बनाया जा सकता है। उम्मीद करनी चाहिए कि ब्रिटेन के बाद अन्य देशों में भी धूम्रपान-निषेध कानून बनाने की मांग तेज होगी। लेकिन विडंबना है कि ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों की अनेक सिगरेट व वैप्स बनाने वाली कंपनियां अन्य विकासशील देशों और गरीब देशों में अपनी आक्रामक विस्तार कर रही हैं। धूम्रपान के हानिकारक परिणामों को देखते हुए दुनिया भर में तंबाकू को खेती पर प्रतिबंध के भी प्रयास होने चाहिए क्योंकि यह जमीन की उर्वरता को नष्ट कर प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ती है।

-जग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

छात्रों की आत्महत्या

छात्र-छात्राओं की आत्महत्या की बढ़ती घटनायें गंभीर चिन्ता का विषय हैं। दिल्ली के मुखर्जी नगर में छात्रा स्वाति की आत्महत्या के साथ ही कोटा, दिल्ली व अन्य शहरों में भी कोचिंग करने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं होती रही हैं। स्कूलों, कॉलेजों व उच्च शिक्षा प्रवेश परिणामों के आने पर अक्सर आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जात हैं। इसका कारण छात्र-छात्राओं पर पड़ने वाला मानसिक दबाव है जिसका कारण कई बार माता-पिता, सहपाठी या समाज हो सकता है जो गलाकाट प्रतियोगिता को बढ़ावा देता है। माता-पिता और घर से दूर अकेले रहना, प्रतिस्पर्धी पढ़ाई का बोझ, परेंट्स पर पड़ने वाला भारी खर्च, हॉस्टल का माहौल, साथ ही कोटा, दिल्ली व अन्य शहरों में भी कोचिंग करने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं होती रही हैं। स्कूलों, कॉलेजों व उच्च शिक्षा प्रवेश परिणामों के आने पर अक्सर आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जात हैं। इसका कारण छात्र-छात्राओं पर पड़ने वाला मानसिक दबाव है जिसका कारण कई बार माता-पिता, सहपाठी या समाज हो सकता है जो गलाकाट प्रतियोगिता को बढ़ावा देता है।

पठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार का उत्सव मनाने को तैयार यूपी

पहले चरण की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान आज

● 150 जोजल मजिस्ट्रेट, 103 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 1861 माइक्रो ऑब्जर्वर भी किए गए तैनात

● मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से की अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार आम चुनाव 2024 का उत्सव मनाने के लिए तैयार है। शुक्रवार 19 अप्रैल को पहले चरण के साथ इसकी शुरुआत होने जा रही है। पहले चरण में उत्तर प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को मतदान संपन्न होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने इन सभी 8 लोकसभा सीटों के मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में बाहर निकलकर मतदान की अपील की है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में पहले चरण में जिन 8 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होने जा रहा है, उनमें बिजनौर, मुगदाबाद, कैराना, मुजफ्फरनगर, नगोना, सहारनपुर, रामपुर और पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं जो प्रदेश के 9 जिलों में सम्मिलित हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रथम चरण में इन सभी 8 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान प्रातः 7 बजे से शुरू होकर सायं 6 बजे तक चलेगा। मतदेय स्थल पर को मतदाता सायं 6 बजे उपस्थित रहेंगे उन्हें अपने मतधिकार का प्रयोग करने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 80 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 7 महिला प्रत्याशी हैं। सबसे अधिक 14 प्रत्याशी कैराना



केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का रहेगा कड़ा सुरक्षा पहरा

● 6018 इंसपेक्टर, सब-इंसपेक्टर, 35750 कांस्टेबल, 24992 हेमगार्ड्स, 60 कंपनी पीएसी व 220 कंपनी सीएपीएफ तैनात

लखनऊ। प्रदेश के नौ जिलों की आठ लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण में होने वाले मतदान के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा ड्यूटी में 6018 इंसपेक्टर व सब-इंसपेक्टर, 35750 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 24992 होमगार्ड्स, 60 कंपनी पीएसी तथा 220 कंपनी सीएपीएफ लगाई गई है। सीएपीएफ में बीएसफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी व आरपीएफ शामिल हैं।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि 6764 ग्राम चौकीदार व 155 पीआरडी जवान भी ड्यूटी पर लगाए गए हैं। चुनाव से संबंधित जिलों में राजपत्रित अधिकारी व अन्य पुलिस बल सामान्य व कानून व्यवस्था ड्यूटी पर लगातार गतिशील रहेंगे। पहले चरण में नौ जिलों

लोकसभा क्षेत्र में हैं, जबकि सबसे कम 6-6 प्रत्याशी नगोना और रामपुर लोकसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। उन्होंने जानकारी दी कि प्रथम चरण में कुल 14,845 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) तथा 7693 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 3571 क्रिटिकल हैं। वहीं 111 आदर्श मतदेय स्थल, 45 महिला प्रबंधित मतदेय स्थल, 36 युवा कर्मी मतदेय स्थल तथा 32 समस्त दिव्यांग प्रबंधित मतदेय स्थल हैं।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा

सहारनपुर, शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुगदाबाद, रामपुर, बरेली व पीलीभीत के लोकसभा क्षेत्रों में 7689 मतदान केंद्रों के 14849 मतदेय स्थलों पर मतदान होगा है। इन नौ जिलों में कुल 248 बैरियर नाका स्थापित किए गए हैं। इनमें से पीलीभीत के अंतरराष्ट्रीय सीमा प्रभावित क्षेत्र में 11 बैरियर तथा सहारनपुर, शामली, मुगदाबाद, बिजनौर, रामपुर, मुजफ्फरनगर तथा पीलीभीत के अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर 88 बैरियर स्थापित कर अनवरत सघन चेकिंग कराई जा रही है। सभी जिलों में कुल 2366 बैरियर स्थापित किए गए हैं। सभी अंतरराष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बैरियर पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों लगाकर लगातार निगरानी व चौकसी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी नौ जिलों में 348 फ्लाईंग स्क्वाड टीम, 459 स्टैटिक सर्विलांस टीम तथा 55 क्यूआरटी टीम का गठन कर निरंतर चौकसी, सतर्कता तथा चेकिंग की कारवाई की जा रही है। प्रदेश के सभी जिलों में कुल 1824 फ्लाईंग स्क्वाड टीम, 1470 स्टैटिक सर्विलांस टीम तथा 459 क्यूआरटी टीम का गठन किया गया है।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए व्यापक इंतजाम एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतदान पर सतर्कता के लिए आयोग द्वारा 4 सामान्य प्रेक्षक, 5 पुलिस प्रेक्षक तथा 10 व्यव प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1272 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 150 जोजल मजिस्ट्रेट, 103 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 1861 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों

को सम्पन्न करने के लिए 4083 भारी वाहन, 5058 हल्के वाहन तथा 65380 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 18662 ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, 18734 बैलट यूनिट तथा 19603 वीवीपेट तैयार किए गए हैं। 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (7582 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1510 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्रामी की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से वोटर इन्फार्मेशन रिलिफ निर्वाचकों को वितरित कराई गई है, जिसके माध्यम से उन्हें अपने वर्तमान मतदेय स्थल एवं क्रम संख्या की जानकारी हो सकेगी। प्रथम चरण में कुल 1,42,96,852 (99.27 प्रतिशत) मतदाताओं को वोटर रिलिफ वितरित की गई है। मतदाताओं की सुविधा हेतु वोटर गाइड का भी वितरण किया गया है। प्रथम चरण के जनपदों में 28,44,953 वोटर गाइड वितरित की गयी है। इसके अलावा मतदाता वोटर हेल्पलाइन पर और भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी अपने मतदेय स्थल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रथम चरण के जनपदों में 27 अक्टूबर 2023 से 16 अप्रैल 2024 तक कुल 11,79,051 मतदाता फोटो पहचान पर वितरित कराए गए हैं। मतदान की अवधि में सभी बीजलियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एल्फाबेटिक कोडकेर मतदाता सूची के साथ हेल्पडेस्क पर उपस्थित रहेंगे एवं आने वाले मतदाताओं की सहायता करेंगे। दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर एवं जगह-जगह पर वालंटियर की व्यवस्था की गई है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाता फोटो पहचान पर के अतिरिक्त 12 अन्य पहचान पत्र (आधार कार्ड, मनरेगा जांब कार्ड, बैंकों / डाकघरों द्वारा जारी किए गए

जो सम्पन्न करने के लिए 4083 भारी वाहन, 5058 हल्के वाहन तथा 65380 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 18662 ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, 18734 बैलट यूनिट तथा 19603 वीवीपेट तैयार किए गए हैं। 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (7582 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1510 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्रामी की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से वोटर इन्फार्मेशन रिलिफ निर्वाचकों को वितरित कराई गई है, जिसके माध्यम से उन्हें अपने वर्तमान मतदेय स्थल एवं क्रम संख्या की जानकारी हो सकेगी। प्रथम चरण में कुल 1,42,96,852 (99.27 प्रतिशत) मतदाताओं को वोटर रिलिफ वितरित की गई है। मतदाताओं की सुविधा हेतु वोटर गाइड का भी वितरण किया गया है। प्रथम चरण के जनपदों में 28,44,953 वोटर गाइड वितरित की गयी है। इसके अलावा मतदाता वोटर हेल्पलाइन पर और भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी अपने मतदेय स्थल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रथम चरण के जनपदों में 27 अक्टूबर 2023 से 16 अप्रैल 2024 तक कुल 11,79,051 मतदाता फोटो पहचान पर वितरित कराए गए हैं। मतदान की अवधि में सभी बीजलियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एल्फाबेटिक कोडकेर मतदाता सूची के साथ हेल्पडेस्क पर उपस्थित रहेंगे एवं आने वाले मतदाताओं की सहायता करेंगे। दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर एवं जगह-जगह पर वालंटियर की व्यवस्था की गई है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाता फोटो पहचान पर के अतिरिक्त 12 अन्य पहचान पत्र (आधार कार्ड, मनरेगा जांब कार्ड, बैंकों / डाकघरों द्वारा जारी किए गए

अधिक से अधिक मतदान के लिए आयोग दे रहा वोटर्स को तमाम सहूलियतों

● गर्मी के प्रकोप से निपटने के लिए मतदान केंद्रों पर लगाये जा रहे टेंट, कैनोपी और छतरियां

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी जनसभाओं में मतदाताओं से मतदान करने की अपील कर रहे हैं। वह एक-एक वोट की अहमियत को भी बता रहे हैं, ताकि देश में मजबूत और सशक्त सरकार बन सके। वहीं, निर्वाचन आयोग भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रोत्साहित कर रहा है। वह मतदाताओं को विभिन्न तरह की सहूलियतें भी दे रहा है। इसके तहत आयोग की ओर से गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम किये जा रहे हैं। साथ ही हीटवेव और हीट स्ट्रीक से निपटने के लिए मेडिकल किट भी व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं हर बार को तह इस बार भी मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र न होने पर 12 अन्य वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों के जरिये मतदान करने की छूट दी गई है। निर्वाचन आयोग की ओर से मौसम विभाग (आईएमडी) की भविष्यवाणी और स्थानीय क्लाइमेट पैटर्न के आधार पर हीटवेव की स्थिति वाले क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों की पहचान की गई है। यहां मतदाताओं को सीधी धूप से बचाने के लिए मतदान केंद्र को पर्याप्त छायादार बनेने की व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्रों पर टेंट, कैनोपी और छतरियों के साथ-साथ कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं और मतदान कर्मियों के लिए पंखे, मिस्टिंग पंखे जैसे कूलिंग डिवाइस स्थापित किये

फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्रॉइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार / लोक उपक्रम / पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों / विधायकों/ विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और यूनिट डिस्पेंसिबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) मतदेय स्थल पर मतदाताओं की पहचान किये जाने हेतु माय्या होंगे।

मतदान प्रतिशत की जानकारी 2-2 घण्टे पर जारी की जाएगी। वोट टर्नआउट एप एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के सोशल

जा रहे हैं। वहीं सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त वॉलेंटियर की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। यही नहीं, मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सहायता दी जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल की व्यवस्था की गयी है। मतदान केंद्र के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण के दौरान हीटवेव से संबंधित बीमारियों के लक्षणों को पहचानने और इसके उचित इलाज के भी प्रबंध किए गए हैं। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के लोकसभा चुनावों के लिए पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रीक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध करायी गई, जिसे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके। आयोग ने वोटर मतदाता पहचान पत्र के अलावा 12 अन्य वैकल्पिक पहचान पत्रों जिनमें आधार कार्ड, मनरेगा जांब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्रॉइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र और यूनिट डिस्पेंसिबिलिटी आईडी (यूडीआईडी), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित कार्ड पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की पहचान के लिए अनुमत्य किये गये हैं।

मीडिया हैंडलस पर भी उपलब्ध रहेगी। मतदान से संबंधित कोई भी शिकायत 18001801950 पर काल करके दर्ज कराई जा सकती है। इसके अतिरिक्त सी-विजिल, एनजीएसपी/ वीएचए पर भी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। प्रथम चरण में सी-विजिल पर 16 मार्च 2024 से 18 अप्रैल 2024 तक कुल 448 शिकायतें दर्ज हुई हैं। उनमें 264 शिकायतें सही पाई गई हैं तथा 184 शिकायतें गलत पाई गई हैं। कुल 264 सही शिकायतों में से 233 शिकायतें 100 मिनट की नियत समयविधि में निस्तारित की गई हैं। पूरे प्रदेश में शिकायत निस्तारणों का औसत समय 41 मिनट है, जो कि नियत समयविधि 100 मिनट से कम है। प्रथम चरण में 16 मार्च, 2024 से 17 अप्रैल, 2024 तक 9 करोड़ 72 लाख रुपए कीमत की शराब, नकदी व ड्रस आदि जप्त की गई है।

उन्होंने बताया की 85+ वर्ष के

पंजीकृत और दिव्यांग मतदाताओं को घरों में आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया गया है। 85 प्लस और दिव्यांग मतदाताओं में से जो मतदान केंद्रों पर आने का निर्णय लेते हैं, उन्हें पिक एंड ड्रॉप सुविधा, साईंज, ईवीएम पर ब्रेल साईंज, वालंटियर आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। दिव्यांग मतदाता ईसीआई सक्षम ऐप के माध्यम से व्हीलचेयर की सुविधा भी बुक कर सकते हैं। सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं जैसे पानी, शेड, शौचालय भी उपलब्ध होंगे। गलत सूचनाओं और फर्कप्रथा को समाप्त कर पाते। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में सबसे ज्यादा काम भाजपा और मोदी जी ने किया है। आज प्रदेश कर्फ्यू मुक्त हुआ है, अब धूमधाम से कांबंड यात्राएं निकाली जा रही हैं। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित हुए हैं। आस्था का सम्मान और युवाओं के आजीविका के साधान बूढ़े हैं, इसलिए क्योंकि भाजपा की सरकार और मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहाँ की खिलाड़ी बेटी पारुल चौधरी ने जब चाइना में वहां की खिलाड़ी को हरया तो हमने उसे टिच्टी एसपी के पद पर नौकरी दी। यहां स्पোর্ट्स युनिवर्सिटी बन रही है। यहां के खेलकूद के सामान पूरी दुनिया में छर रहे हैं।

कन्नौज के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

समर्थकों सहित भाजपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को कन्नौज के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संजीव कटियार ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सनातन और सनातनियों का विरोध करना इंडी गठबंधन के नेताओं की सोची समझी नीति है। वे वोट बैंक की राजनीति में तृप्टिकरण के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। जनता को ऐसे लोगों का बायकांट करना चाहिए, इनका हुक्का पानी भी बंद कर देना चाहिए। संचालन भाजपा के प्रदेश मंत्री शिवभूषण सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित और डॉ. अंकुश त्रिपाठी भी



उपस्थित रहे। पाठक ने कहा कि जब रामनवमी के दिन अयोध्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा था, लाखों धर्मावलंबी पहली बार अपने प्रभु बालक राम के जन्मोत्सव पर उनके भव्य मंदिर में दर्शन पूजन को आये थे। इस अवसर पर अपने पापों का प्रायश्चित्त करने की बजाय राम भक्तों पर गोली चलवाने वाली पार्टी के नेता पूजा-पाठ करने वालों को पाखंडी बोल रहे थे।

लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

देखकर इनके सीने पर सांप लोट गया। ये प्रभु बालक राम का भव्य सूर्य तिलक देखकर बदहवास हो गये और अर्गल बयानबाजी कर सनातन को गाली देने लगे। इनकी गलतजुबानी का चेन्नई से लेकर श्रीनगर तक एक भी इंडी अलायंस के नेता ने इसका विरोध नहीं किया। इनका मूल एजेंडा भी सनातन की साक्षा पर चोट करना है, आस्था पर कुचरघात करना है। लेकिन 2014 से सनातनियों ने अपमान का बदला लेना सीख लिया है।

पाक भूखों मर रहा, भारत 80 करोड़ लोगों को दे रहा राशन: मुख्यमंत्री

● योगी ने मेरठ में अरुण गोविल के पक्ष में विशाल जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ मेरठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान एक साथ ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुए मगर आज पाकिस्तान भूखों मर रहा है और भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। पाकिस्तान की आबादी 22 करोड़ है, बंटवारे के समय उनके हिस्से उर्वरा भूमि गई, बावजूद इसके आज पाकिस्तान की जनता भूखों मर रही है। वहीं पाकिस्तान की आबादी से भी अधिक लोग भारत में पिछले 10 साल में गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। सीएम योगी मेरठ के किठौर में

जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रामनवमी के अगले दिन ही मेरा यहां आना हुआ है। जब अरुण गोविल रामायण सीरियल में भगवान राम का रोल अदा कर रहे थे और उसके माध्यम से कलियुग में भगवान राम के जीवन को चित्रित कर रहे थे, उस समय उन्हें भी नहीं पता कि एक दिन भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि पर अपना जन्मदिन मनाएंगे। जिस साल मेरठ से अरुण गोविल प्रत्याशी बने, उसी साल 500 वर्षों के इंतजार के बाद श्रीराम अपना जन्मोत्सव मना रहे हैं। आपने देखा होगा कि सूर्यवंशी राम का तिलक सूर्य की किरणों से हुआ। ये देख पूरी दुनिया अभिभूत हुई है। सीएम योगी ने सवाल भी पूछा कि श्रीरामलला के मंदिर के शिलान्यास से लेकर उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा और भव्य रामनवमी का



आयोजन क्या कांग्रेस, सपा, बसपा के लोग कर पाते? उन्होंने बताया कि रामनवमी के दिन 15 लाख भूख में अयोध्या पहुंचे थे। हम सब मेरठ आए हैं और अरुण गोविल को लेकर आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 में धन सिंह कोवाल ने अपनी नौकरी को तुकराकर व देश के अमर बलिदानियों की श्रेणी में खड़ा होकर स्वतंत्रता का उद्घोष किया था। उनका सपना एक ही था कि 'तेरा वैभव अमर रहे मां हम दिन चार रहे न रहे'। वे अपने और अपने परिवार के लिए न होकर

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सम्मान और सुरक्षा में वृद्धि के कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए हैं। क्या कांग्रेस के लोग कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा पाते, आतंकवाद समाप्त करा पाते, तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त कर पाते। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में सबसे ज्यादा काम भाजपा और मोदी जी ने किया है। आज प्रदेश कर्फ्यू मुक्त हुआ है, अब धूमधाम से कांबंड यात्राएं निकाली जा रही हैं। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित हुए हैं। आस्था का सम्मान और युवाओं के आजीविका के साधान बूढ़े हैं, इसलिए क्योंकि भाजपा की सरकार और मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहाँ की खिलाड़ी बेटी पारुल चौधरी ने जब चाइना में वहां की खिलाड़ी को हरया तो हमने उसे टिच्टी एसपी के पद पर नौकरी दी। यहां स्पোর্ट्स युनिवर्सिटी बन रही है। यहां के खेलकूद के सामान पूरी दुनिया में छर रहे हैं।

लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए

वोट अवश्य करें: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अखिलेश यादव ने मतदाताओं का आह्वान किया है कि वे 19 अप्रैल को होने वाले आठ लोकसभा क्षेत्र सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगोना, मुगदाबाद, रामपुर और पीलीभीत के चुनाव में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए वोट करें, किसानों, नौजवानों, महिलाओं के जनअधिकारों को बचाने तथा सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए निर्भीक, स्वतंत्र और निष्पक्षता के साथ एक-एक वोट का इस्तेमाल करते हुए भारी संख्या में मतदान अवश्य करें। स्वतंत्रता आंदोलन के सपनों को पूरा करने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताकर केन्द्र में इंडिया गठबंधन और पीडीए की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

अखिलेश यादव ने लोगों से पहले चरण के मतदान में समाजवादी पार्टी और गठबंधन के सभी



प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए कहा कि मैं जनता का समर्थन मांगता हूँ। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक परिणाम आयेगा। गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। भेदभाव करती है। भाजपा लोकसभा चुनाव जीत कर संविधान बदलना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने नौजवानों को नौकरी देने का झूठा वादा किया। भाजपा सरकार में भर्ती परीक्षाओं के दस पेपर लीक हुए। भाजपा ने जानबूझकर पेपर

लीक करायें जिससे नौकरी और आरक्षण न देना पड़े। आज प्रदेश में पढ़ा लिखा 80-90 फीसदी नौजवान बेरोजगार है। इसी तरह से भाजपा सरकार ने किसानों से उनकी आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन किसानों को उनकी फसलों का लागतमूल्य भी नहीं मिल रहा है। किसान संकट में है। भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपया बकाया है। किसान परेशान है। सरकार ने किसानों को फसलों की एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया। आंदोलनकारी किसानों को अपमानित किया गया। भाजपा सरकार के दस साल में एक लाख से ज्यादा किसानों ने महंगाई और गरीबी से त्रस्त होकर आत्महत्या कर लिया। लोकसभा चुनाव में नौजवानों और किसानों के पास भाजपा को सबक सिखाने का मौका है। नौजवान और किसान इस बार भाजपा को सत्ता से हटाकर अपने अपमान का बदला लेगा।

वोट का न होने दें गलत इस्तेमाल, युने

बहुजन हितैषी सरकार: मायावती

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने लोगों से अपील की है कि अपने वोट का गलत इस्तेमाल न होने दें और सबसे पहले अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए बड़ी संख्या में वोट डालने पहुंचें। मायावती ने ये भी कहा कि यही बाबा साहेब के प्रति श्रद्धांजलि होगी। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से भी निष्पक्ष चुनाव करने की मांग की। मायावती ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एम्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश में 18वें लोकसभा के लिए सात चरणों में हो रहे आमचुनाव में कल मतदान के पहले चरण से ही, 'पहले मतदान, फिर जलपान' के संकल्प के साथ अपने वोट के बहुमूल्य संवैधानिक अधिकार का निर्भय होकर इस्तेमाल करके देश में गरीबों, मेहनतकशों, वंचितों की बहुजन-हितैषी सरकार चुनें, यही पुरजोर अपील। परमचूय बाबासाहेब अंबेडकर के अनुपम संविधान के तहत बिना किसी भेदभाव के एक वोट का मिला अधिकार ऐसी

लोकतांत्रिक शक्ति है जिसके जरिए सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके गरीब, कमजोर व उपेक्षित लोग अपना उद्धार खुद करने योग्य बनकर अपनी गरीबी व लाचारी का जीवन दूर कर सकते हैं। मायावती ने लिखा कि इसीलिए वोट के अधिकार की रक्षा पूरे जी-जान से करनी है। सावधान रहें आपका कोई वोट खरीदा न जा सके। लूटा न जा सके। कोई वोट पड़ने से न रह जाए तथा धनबल, मन्दिर-मस्जिद आदि के नाम पर आपके वोट का गलत इस्तेमाल न हो। वोट जरूर डालें। यही सबसे बड़ा कर्तव्य व बाबा साहेब को श्रद्धांजलि। निर्वाचन आयोग ने यह लोकसभा चुनाव 'स्वतंत्र, निष्पक्ष, सहभागी, सुगम, समावेशी, पारदर्शी व शांतिपूर्ण तरीके से संचालन के लिए तैयारियों' का आश्वासन देश को दिया है, जिसपर खरा उतरने के लिए खासकर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग व रूलिंग पार्टी द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन रोकना जरूरी।

भाजपा की हार देश की प्रगति की गारंटी: आराधना मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अभय दुबे एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन, पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय, वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेन्द्र त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के अध्यक्ष शाहनवाज आलम, सचिन रावत, प्र. आरबी बौद्ध आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि बीते 7 और 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश और देश की भाजपा सरकारों ने अपनी सत्ता की भूख मिटाने को समूचे देश के सामाजिक, राजनैतिक, संवैधानिक और आर्थिक ताने-बाने को तहस-नहस कर दिया है। देश के प्रजातंत्र के लिए आज परीक्षा की घड़ी है, हमारे देश की



इस परीक्षा में 19 अप्रैल से 1 जून तक सात प्रश्न पत्र होंगे। जिसमें देश की जनता भाजपा सरकारों का मूल्यांकन करेगी तथा परिणाम 4 जून को आएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा विश्वास है कि जिन भाजपा सरकारों ने किसान, नौजवान, जवान, बेटियों दलितों, पिछड़ों और पहलवानों सब

का अपमान किया है, उन्हें देश की जनता इस परीक्षा में फेल करेगी। मोना ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, किसान, महिला, सीमा की सुरक्षा, आर्थिक नीति और सामाजिक न्याय आदि सात विषयों पर जनता मूल्यांकन करेगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन दल को देश की जनता अव्वल दर्जे में पास करेगी।

सौ व्यावसायियों को टैक्स जमा करने की जारी हुई नोटिस

● जिला पंचायत ने अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया कदम

● तीन हजार उद्यमियों से वसूला जायेगा कर, एक करोड़ रुपये की होगी वार्षिक आय

विनोद शुक्ला। हमीरपुर

जिला पंचायत ने बीस साल बाद अपनी आय बढ़ाने के लिये शासनदेश के तहत छोटे बड़े दुकानदारों पर व्यवसाय कर लगाकर सौ दुकानदारों को नोटिस जारी की है। फिलहाल 11 सौ कर दाताओं को चिह्नित किया गया है। तीन हजार कर दाता हैं जिसे कर वसूल किया जायेगा। सभी कर दाताओं से कर वसूलने के बाद जिला पंचायत विभाग को कम से कम एक करोड़ आय होने का अनुमान लगाया गया है। फिलहाल अभी तक दस लाख रुपये टैक्स वसूला जा चुका है।

जिला पंचायत विभाग के कार्य अधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद वर्मा ने बताया कि शासनदेश के मुताबिक आर्टिकल 279 के तहत जिले में दुकानदारों से टैक्स वसूलने का प्राविधान है मगर विभाग में कर्मियों के कमी के कारण टैक्स वसूलने का अभियान चालू नहीं हो पाया था। अब विभाग ने टैक्स वसूलने का काम शुरू कर दिया है। पेट्रोल पंप, रिमॉडिंग, हिंदुस्तान लीवर, जेके सीमेंट समेत कई प्रतिष्ठान टैक्स देना शुरू कर दिया है वहीं शासन ने हर व्यवसायी का टैक्स निर्धारित कर दिया है। शराब की दुकानों द्वारा टैक्स न देने के कारण उनको नोटिस जारी किया गया है।

गोष्ठी में वोट की ताकत समझा मतदाताओं को किया जागरूक

मौदहा, हमीरपुर। भारत का निर्वाचन आयोग पिछले चुनावों में मतदाताओं की कम भागीदारी वाले संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता संख्या बढ़ाने के मद्देनजर लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में नगर के रहमानिया इंटर कालेज के मदरसे में मतदाता जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक अधिकारी की मौजूदगी में कस्बे के धर्म गुरु समाजसेवी सहित रहमानिया इंटर कालेज की प्रधानाचार्य रजिया सुल्तान व विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। अल्पसंख्यक अधिकारी हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि वोट की ताकत दुनिया में सबसे बड़ी शक्ति है जिन मतदान केंद्रों पर 50 प्रतिशत से कम मतदान होता है वहां अधिक मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने गोष्ठी में मौजूद धर्म गुरुओं से आग्रह करते हुए कहा की आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में आप सभी लोग मतदाताओं से अधिकतम मतदान करने को जागरूक करें ताकि जिले का मतदान 75 प्रतिशत हो सके। कार्यक्रम में देर से पहुंचे जिला विद्यालय निरीक्षक कमलेश कुमार ओझा ने भी लोगों को संबोधित कर ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए जागरूक किया। इस गोष्ठी के बाद सभी को गोपनीयता की शपथ दिलाई गई इस दौरान अता उ रहमान, नसीम आलम, जगहूर, रफ़ीक, रमा शंकर गुप्ता, प्रशांत तिवारी, सना उल्ला, नुजहत हुसैन, कुतबुद्दीन सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।



चतुर्थ चरण के लिए पहले दिन दो प्रत्याशियों ने भरे नामांकन पत्र



लखीमपुर खीरी। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 जून को मतदान होना है। 28 खीरी और 29 धीरहरा लोकसभा क्षेत्र में 18 अप्रैल से अधिसूचना जारी हो गई। आज से नामांकन जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन प्रक्रिया को देखते हुए कलेक्ट्रेट में सुबह से ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पहले दिन 28 खीरी संसदीय क्षेत्र के लिए भाजपा से उम्मीदवार अजय कुमार, निर्दलीय नरेश सिंह भदौरिया ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं 8 अर्थधर्मियों ने 14 सेट नामांकन सेट प्राप्त किया। धीरहरा के लिए कोई भी नामांकन दाखिल नहीं हुआ। वहीं नौ व्यक्तियों ने 20 सेट नामांकन पत्र प्राप्त किए। नामांकन प्रक्रिया के लिए कलेक्ट्रेट में भारी पुलिस बल तैनात रहा। सुबह 11 बजे से तीन बजे तक प्रक्रिया चली। निर्वाचन आयोग ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए 25 हजार रुपये और अनुसूचित जाति, जनजाति के प्रत्याशी के लिए साढ़े 12 हजार रुपये जमानत राशि रखी है। नामांकन पत्र प्राप्त करने और नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर के न्यायालय कक्ष में जमा करने का समय प्रत्येक कार्य दिवस में 11 बजे से 3 तक है। नामांकन का अंतिम दिनांक 25 अप्रैल 2024 आयोग द्वारा निर्धारित किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी ने रोड शो कर किया अपना नामांकन



संडीला, हरदोई। मिश्रिख संसदीय लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं निवर्तमान सांसद अशोक रावत ने भव्य जुलूस निकाल हरदोई जाकर नामांकन दाखिल किया। अशोक रावत का नामांकन जुलूस पार्टी कार्यालय से रवाना हुआ। जुलूस में क्षेत्रीय विधायक अलका अकेश्वरी, विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल के अलावा लोकसभा सहप्रभारी अतुल तिवारी, भाजपायूमी प्रभारी रिषभ खन्ना, नगर अध्यक्ष रमन नीतीश जायसवाल के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नगर पंचायत कछौला एवं बेनीगंज के चेयरमैन, ब्लाक प्रमुख संडीला प्रतिनिधि अमित गुप्ता आदि शामिल थे। यह जुलूस नगर के मुख्यमार्ग से गुजरा।

लखनऊ हरदोई रोड पर सरकार को चूना लगा रहे डग्गामार वाहन

संडीला, हरदोई। पुरानी तहसील कार्यालय के ठीक सामने से वाहनों की डग्गामारी हो रही है और यात्रियों को भूसें की तरह दूंसकर न केवल उनके जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है वरन सरकार को विभिन्न करों के लाखों रुपए की चपत भी लगाई जा रही है। लखनऊ हरदोई रोड पर पुराने तहसील कार्यालय के सामने मारुती वैन से लेकर जीपों का एक लांबा जाल डग्गामारी के धंधे में जुटा हुआ है। इन छोटे वाहनों में यात्रियों को भूसें की तरह दूंसकर भरा जाता है। हद तो यह है कि चालक स्वयं सीट से आधा बाहर लटकता रहता है। यह डग्गामार वाहन हर 10 मिनट पर लखनऊ के लिए रवाना होते हैं। इन वाहनों में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ भी रहती है ताकि अधिक से अधिक कमाई हो सके। अक्सर इस अंधी दौड़ में दुर्घटनाएं भी होती हैं और दुर्घटना होने की जहां संभावना होती है वहां चालक पहले ही छलांग लगाकर अपनी जान तो बचा लेता है लेकिन वाहनों में बैठे हुए लोगों की जान संकट में डाल देता है। अब तक कई बेगुनाह इन डग्गामार वाहनों के कारण अपनी जान गवां चुके हैं। तहसील के भवन के सामने होने वाली इस डग्गामारी के कारण रोडवेज तथा अन्य सरकारी पर्मिट लेकर चलने वाले वाहनों की आय का घाटा तो होता ही है साथ ही रोडवेज के स्टाफ को प्रतिस्वारी मिलने वाला मानदेय भी घटता जाता है। यही नहीं इन डग्गामार वाहनों के कारण सरकार को यात्रीक तथा रोड टैक्स के रूप में मिलने वाला कर भी नहीं मिल पाता जिससे सरकारी आय पर डाका पडता है। बताते चलें कि पुरानी तहसील परिसर में ही पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय एवं आवास स्थित है। इसके अलावा उपजिलाधिकारी का भी आवास है, लेकिन न जाने क्यों इन डग्गामार वाहनों पर न तो इन अधिकारियों की अभी तक नजर गयी और न ही पास में मौजूद पुलिसकर्मियों की।

लंबी बीमारी से तंग आकर किसान ने स्वयं को गोली मारकर की आत्महत्या

● मानसिक बीमारी से परेशान था, किसान कानपुर से चल रहा था इलाज

संवाददाता। फतेहपुर

मानसिक बीमारी से तंग आकर किसान ने अपनी डबल बैरल लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय घर के सभी सदस्य शहर के पकड़े तालाब में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। तभी सुनसान मौका पाकर किसान ने सुबह अपने आपको गोली मार कर घटना को अंजाम दे दिया।

पड़ोसियों की सूचना पर परिजनों को जानकारी हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थरियांव थाना क्षेत्र के मोहनी का पुरवा मजरे चूरी बुजुर्ग निवासी

राजाराम पुत्र राम सुहावन चार साल से मानसिक बीमारी से तंग था। जिसका इलाज कानपुर के हैलट अस्पताल में चल रहा था। मृतक गांव में रहकर खेती किसानी का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक अपने तीन भाई शिवनंदन, रघुनंदन, बृजनंदन थे। मृतक अपने चारों भाइयों में सबसे बड़ा भाई था।

मृतक के पिता बीएसएनल में नौकरी करते थे। रिटायर होने के बाद फतेहपुर स्थित पकड़े तालाब में मकान बनवाकर रह रहे थे। मंगलवार को फतेहपुर स्थित मकान में अखंड रामायण का कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए पूरा परिवार शहर चला गया था। पड़ोसियों के मुताबिक सुबह जानवरों का चारा पानी करने के लिए घर बापस चला आया था। सुबह जंगल से वापस आने के बाद कमरे के अंदर दरवाजा बंद करके अपनी लाइसेंस की बंदूक डबल नाल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। समय ज्यादा होने पर पड़ोसियों ने देखा जो अंदर से दरवाजा न खुलने पर पड़ोसियों को अंदेशा हुआ और छत के रास्ते कमरे में जाकर देखा तो राजाराम मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे परिजनों में शव देख कोहराम मच गया।

शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग में 30 से ज्यादा घर हुए स्वाहा



निधासन, खीरी। ग्राम पंचायत लुधौरी के उपग्राम चुरा टांडा में आज (कल) दोपहर शार्ट सर्किट की वजह से घटित भीषण अग्निकांड में लगभग 30 से ज्यादा ग्रामीणों के घर जलकर स्वाहा हो गए। इस भीषण अग्निकांड में ग्रामीणों के घर का सामान व नगदी समेत लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार दिव्याशु शाही लाेखपाल शिवम गुप्ता आदि ने घटनास्थल पर पहुंच कर मौका मुआयना किया और ग्रामीणों को सरकार द्वारा मिलने वाली अहतुक सहायता शोषातिशोषित दिलवाने का आश्वासन दिया। अग्निमयन विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चुरा टांडा निवासी प्यारेलाल के घर से शार्ट सर्किट से लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिसकी जद में आकर मारसिंह पुत्र खंणा, प्यारेलाल पुत्र मिलाप सिंह, राधेश्याम पुत्र चिमन सिंह, कंचन पुत्र राधेश्याम, सुनील पुत्र विक्रम सिंह, विनोद पुत्र राज बहादुर, अमर ,चेतराम, विनोद पुत्र लच्छी राम, राम सिंह पुत्र लच्छी राम, मैकू पुत्र खंणा, शेर सिंह पुत्र शिवलाल ,मोहर सिंह पुत्र शिवलाल, केहर सिंह पुत्र शिवलाल, प्रेम सिंह पुत्र राम सिंह, शिवलाल पुत्र मीना , सुधीर पुत्र चेतारम तथा सर्वेश पुत्र चेतारम सहित लगभग 30 से ज्यादा ग्रामीणों के घर राख के ढेर में तब्दील हो गए ।

वाणी साहित्य परिषद द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव पर काव्य गोष्ठी संपन्न

संवाददाता। फर्रुखाबाद

वीणा साहित्य परिषद के द्वारा श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। नगर के बजरिया हलाल स्थित वरिष्ठ कवि राम अवतार शर्मा के आवास पर आयोजित काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार ज्योति स्वपुष्प अग्निहोत्री ने की। उन्होंने कहा कि आज भी संस्कृत का प्राचीन साहित्य प्रासंगिक है, महाकवि कालीदास से लेकर अनेकों महान रचनाकारों की भरत भूमि भारत है, युवा प्राचीन ग्रंथों के अनुवाद को पढ़कर साहित्य के बारे में जाने।

सरकार भारती के प्रांतीय महामंत्री सुरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हजारों की तपस्या के बाद आज राम लला अयोध्या में विराजमान है यह गौरव का विषय है, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अनेकों वीरों ने



अपने जीवन को त्याग दिया था। सजय गंग ने कहा कि आज भी जनपद का साहित्य गौरव का विषय है। कन्नौज से आए अतिथि कवि उमाशंकर वर्मा साहिल ने कहा कि राम नाम अपराजित पौरुष का प्रतीक है, राम नाम अमिता हमारे भारत की है, राम नाम दुख दोषघ्नी में था सघन है, राम नाम सभ्यता हमारे भारत की रचना पढ़ी। राष्ट्रीय कवि डाक्टर सन्तोष पाण्डेय ने कहा कि श्रंगारों से डरती रहती है जब तक तरुणाई श्रंगारों में सजती रहती है, जब तक तरुणाई

तब तक नहीं देश का बेड़ा पार हुआ करता है, उपदेशों से नहीं राष्ट्र उद्धार हुआ करता है। गजलकार नलिन श्रीवास्तव ने कहा कि जिंदगी में जब हमारी घुमप अंधेरे छा गए, तुम न जाने तब कहाँ से चांद बनकर आ गए, उगत-शाँक्ति दे दो भक्ति दे दो मैं तुम्हें ध्याऊँ, सरल सी भावना दो, मैं तुम्हारे द्वार तक आऊँ। महामंत्री राम मोहन शुक्ल ने कहा शउठो पार्थ गंगाजल उठाओ सुध लो सारे कौरव की, रचकर एक इतिहास नया लिख डालो गाथा गौरव की।

अनुपस्थित कर्मियों को 19 अप्रैल को प्रशिक्षण में भाग लेने का अंतिम मौका

कानपुर देहगत। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सक्षुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष रूप में संपन्न कराए जाने की दृष्टिगत मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण अकबरपुर डिग्री कॉलेज में चल रहा है, प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मचारियों को 19 अप्रैल को प्रातः 9 बजे बुलाया गया है। जिलाधिकारी अलोक सिंह के निर्देश पर किसी कारणवश कुछ कर्मचारी प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहे हैं, तो उन्हें एक मौका देते हुए 19 अप्रैल को दोबारा बुलाया जा रहा है इसके पश्चात अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध निर्वाचन अधिनियम के सुसंगत नियमों के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी इस संदर्भ में सभी कार्यालय अध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक दशा में सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण में भेजना सुनिश्चित करें। विकास भवन में गंभीर बीमारी के लिए मेडिकल बोर्ड का भी जिला अस्पताल में गिटित हुआ है, जो नियमानुसार जांच कर कार्रवाई कर रहा है।

बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले दोनो आरोपी हुए गिरफ्तार



फर्रुखाबाद। बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले दोनो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। थाना मऊरवाजा क्षेत्र के निवासी पीडित पिता ने दोनों युवकों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीडित पिता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि मैं भट्टे पर मजदूरी करता हूँ। 16 अप्रैल को मैं मजदूरी करके घर गया, रात में मेरी 6 वर्षीय बेटी के पेट में दर्द होने लगा था। उसने बिस्तर में पेशाब कर दिया था तब मेरी पत्नी ने मेरी बेटी को डाटा तो मेरी बेटी रोते हुये बताया कि मेरे पेट में दर्द हो रहा है। जब सात्वना देते हुये मैं व मेरी पत्नी ने पूछा कि क्या बात है। तब बेटी ने बताया कि शाम को जब मैं शौच करने

बाहर गयी थी स्कूल के पास मुझे मिलने शौच में उठ ले गया था और करौंदा की झाड़ी के पास मेरे साथ गलत काम किया। उसने मेरा मुंह बंद कर दिया था और मुझे बंधा था कि अगर इस बारे में किसी को कुछ बताया तो जान से मार देगा। मौके पर अभय जाटव भी मौजूद था, उसने भी मुझे पकड़ रखा था। जब इन लोगों ने छोड़ा तो मैं घर आ गयी लेकिन डर की वजह से मैंने शाम को किसी को कुछ नहीं बताया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि मैंने घटना स्थल का निरीक्षण किया है दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पृष्ठताकत को जप रही है।

कोई मुकदमा दर्ज नहीं किए भी पत्रकार को बताया गया गैंगेस्टर

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में एस्प्री की अभिसूचना इकाई शासन प्रशासन की तीसरी आंख ने जिले के कुछ पत्रकारों के अपराधिक पृष्ठभूमि की अजब-गजब की जांच रिपोर्ट तैयार की है। अपराधियों को क्लीन चिट और एक अजीबोगरीब मामला सामने आया एलआईयू की जांच में जिले के एक ऐसे पत्रकार को भी शामिल किया गया है, जिसके खिलाफ कभी कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई ! किन्तु उसे घोर अपराधी और गैंगेस्टर की श्रेणी में खड़ा कर दिया गया है। हालांकि एलआईयू के इस्पेक्टर ने हकीकत की जानकारी मिलते ही तुरंत पलटी मार दी है। किन्तु एलआईयू जांच में अपराधी और गैंगेस्टर का ठप्पा लगाने के बाद उक्त पत्रकार के विरोधियों ने उसका जीना हराम कर दिया है। कुछ बांदा वसुली गैंग के लोग जो पत्रकारिता का बहादा ओढ़े और भानु मीलते ही तुरंत पलटी मार दी है। महारत हासिल एक सदस्य तो अपने अखबार में खबर छापकर ब्लैकमेलिंग का कुत्सित प्रयास भी कर रहा है। इकबाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि यदि मैं गैंगेस्टर हूँ तो मुझे बीच चौराहे पर फांसी पर चढ़ा दिया जाए लेकिन यदि मेरे खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज है तो फर्जी मेरे अधिकारों का हनन क्यों? बताते चलें कि जिला सूचना विभाग ने 25 जनवरी 2024 को एस्प्री बांदा को पत्र भेजकर जिले के कुछ पत्रकारों की गोपनीय जांच आख्या मांगी थी। इन पत्रकारों में इकबाल खान (मानवाधिकार मीडिया) का नाम भी शामिल था। 222/2024 को एलआईयू ने इकबाल खान की भी जांच आख्या भेजी। जिसमें इकबाल (मानवाधिकार मीडिया) को हत्या, हत्या का प्रयास, आबकारी अधिनियम, और गैंगेस्टर आदि का मुजरिम निर्दिष्ट करते हुये अपराधी प्रवृत्ति का ब्यक्ति बताया गया। जबकि जिस इकबाल नामक अपराधी को जांच की गयी वह कांशीम कालोनी में रहता था। उसकी वलिट्यत अलग थी। और दूसरा नाम राशि अपराधी वह मर चुका था।

हिन्दू जोड़ों ने वरमाला पहनाई और एक मुस्लिम जोड़े ने निकाह किया कुबूल

संवाददाता। राठ, हमीरपुर

कस्बे के धमना रोड स्थित रतन कुंजर पैलेस में दम मदर वेलफेयर सोसायटी प्रबंधन समिति द्वारा सर्वे जातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 17 जोड़ों ने एक दुजे को वरमाला डाल व एक मुस्लिम जोड़े ने निकाह कुबूल कर जीवन साथी चुना।

समिति के पदाधिकारियों ने वर वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उपहार भेंट किए। गुस्वार को सामूहिक विवाह सम्मेलन में सैंदपुर की रीना अहिरवार ने इंद्रपुरा सरिला के गले में वरमाला डाल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसी तरह कुल्हंडा की रोशनी ने मनीषा नहदौरा, कुल्हंडा की राधा ने रावतपुरा के यशवंत कुमार, छोटी बांधुर की भगवती परिहार ने इटकोर के विक्रम सिंह, सुगिरा कुलपहाड़ की रेखा कुशवाहा ने बिहूनी खुर्द मौदहा के पुष्पेन्द्र, पहाड़ी भित्तारी मुस्करा की गायत्री ने इस्लामपुर के मुकेश, कहटा



कालपी की निशा ने पहला सरिला वीरेंद्र, सुनहटा की आकांक्षा ने कैथोंकर नौगांव मप्र हरदयाल, करियारी की रचना ने उर्डी के मंगल पाल, गल्हिया

की रूबी ने कैथी के तेज बहादुर सहित 18 जोड़ों ने वरमाला व कालिंजर बांदा की रेशमा ने कालिंजर बांदा के इदरशी ने निकाह कुबूल किया।

अधिशासी अधिकारी ने किया नागरिकों को जागरूक



गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी के आदेशानुसार नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी द्वारा 25 बाडों में दिनांक 08 अप्रैल तक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जिसकी शुरुआत गुस्वार को बाडों न 1 आवंतीबाई नगर में गोष्ठी का आयोजन कर किया गया है। बुधवार को अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने नेतृत्व में पालिका टीम द्वारा बाडों में भ्रमण कर नागरिकों को मतदान के लिये जागरूक किया गया। इसके बाद अम्बेडकर पार्क में आयोजित गोष्ठी में अधिशासी अधिकारी ने कहा कि सभी लोग निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर राष्ट्रहित में मतदान करें और मतदान के प्रति नागरिकों को भी जागरूक करें।

भाजपा सरकार में युवा कर रहे आत्महत्या: अखिलेश यादव



कन्नौज। भाजपा सरकार में युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं। जिसकी वजह से नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। कन्नौज के ब्रजेश पाल के अलावा फिरोजाबाद की एक बेटी ने भी आत्महत्या कर ली। अभी जो आंकेड़े आए हैं, उसके अनुसार 90 फीसदी युवाओं के पास काम नहीं है। यह बात सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कन्नौज में कही। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव गुस्वार दोपहर को कन्नौज पहुंचे हैं। यहां कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद अखिलेश यादव ने कन्नौज से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा, आज मैं कन्नौज के लोगों से मिला हूँ। उनसे हाथ मिलाया। जल्द ही समाजवादी प्रत्याशी के नाम की घोषणा करेगी और कन्नौज में रिकार्ड मतों से सपा जीत हासिल

विसर्जन यात्रा में गया युवक गंगा में डूबा, मौत

गुरसहायगंज, कन्नौज। चैत्र नवरात्र के समापन के बाद विसर्जन यात्रा में गया युवक गंगा नदी में स्नान करते समय अचानक गहराई में डूब गया। जिससे मौके पर गये लोगों में चीख पत्कार मच गई। वहीं ग्रामीण गोताखोरों ने गंगा नदी में डूबे युवक को बाहर निकाला लेकिन तब तक युवक की मृत्यु हो चुकी थी। गुस्वार को नगर के मोहल्ला भगतसिंह नगर जीटीरोड निवासी पूर्व शासकीय सभासद परशुराम देवल का 22 वर्षीय पुत्र भाग्य प्रताप सिंह देवल नगर के गंगेश्वनाथ मंदिर की देवी प्रतिमा विसर्जन यात्रा में जलेसर गंगा घाट पर साधियों के साथ गया था। जहां गंगा नदी में नहाते समय अचानक गहराई में डूब गया। साथ में गये लोगों द्वारा शोर मचाने पर ग्रामीण गोताखोरों ने कड़ी मसकत के बाद युवक के शव को बाहर निकाला। अटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद मृतक युवक का शव आवास पर लाया गया जहां पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेन्द्र देव, इन्द्र कुमार गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मन्द्र कौशल, कुशवाहा महासभा के जिलाध्यक्ष डा. रघुनन्दन कुशवाहा, अनुराग गुप्ता, अमित गुप्ता आदि ने रोते बिलखते परिजनों को ढांडस बंधाया।

पिता ने बेटे के जन्म दिन पर फांसी लगाकर दे दी जान

फर्रुखाबाद। दो दिन पूर्व दिल्ली से लौटे पूर्व प्रधान के भतीजे ने अपने पुत्र के जन्मदिन पर ही फांसी लगा के जान दे दी। राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बदनपुर निवासी पूर्व प्रधान कृष्णपाल सिंह का 36वर्षीय भतीजा अरविंद उर्फ अभय प्रताप सिंह पुत्र वीरपाल दिगी में नौकरी कर रहा था, बीते दो दि दिन पूर्व ही वह अपने घर आया था। अरविंद की पत्नी अंजली अपने 7 वर्षीय पुत्र सोना के साथ मसेनी में किराये पर रहती हैं। अरविंद भी वहीं रुका था। अंजली ने बताया की आज उसके पुत्र सोना का जन्मदिन है लिहाजा अरविंद ने बीते दिन ही जन्मदिन का सामान बायंक देवा से लेकर रखा। गुस्वार सुबह लगभग 5 बजे अरविंद बाइक से गांव बदनपुर जाने की कहकर निकला। सुबह जब अरविंद का बच्चाईर मुरारी खेत की तरफफया तो उसने अरविंद का शव उसके खेत में खड़ी जामुन के पेड़ पर काले दुपट्टे से लटका देखा।

मोदी सरकार के कार्यकाल में ही पूर्वोत्तर मुख्यधारा में शामिल हो सका : नड्डा

भाषा । कोकराझार, राैता, दुधनोई

भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर पूर्वोत्तर को अलग-थलग रखने का आरोप लगाया और दावा किया कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में ही पूर्वोत्तर मुख्यधारा में शामिल हो सका। असम में राजग उम्मीदवारों के लिए एक के बाद एक तीन रैलियों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति की जगह अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कामकाज और जवाबदेही को राजनीति ने ले ली है। नड्डा ने यह आरोप भी लगाया कि विपक्षी दलों को जनता के कल्याण की चिंता नहीं है और वे खुद को अनेक चोड़ालों में आरोपित होने से बचाने में लगे हैं। नड्डा ने बोडोलैंड



प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार जयंत बासुमतारी के समर्थन में यहां एक रैली की संबोधित करते हुए कहा कि राजग सरकार द्वारा किए गए शांति समझौते के कारण क्षेत्र में शांति लौटी है। राज्य में भाजपा नीत गठबंधन में

सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने बासुमतारी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर सात मई को मतदान होगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस की नीति पूर्वोत्तर को अलग-थलग और अंधरे में रखने की थी। यह मोदी और हिमंत विश्व शर्मा की

सरकार हैं जिन्होंने आपको देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने की दिशा में काम किया। भाजपा नेता ने कहा, दस वर्ष पहले जब आप दिल्ली आते थे तो लोग पूछते थे कि आप किस देश से आए हो लेकिन अब एकीकरण पूरा हुआ। मोदी शासन के तहत विशेष रूप से बोडो उग्रवादी संगठनों के साथ हुए शांति समझौता का जिम्मे करते हुए भाजपा नेता ने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में इस क्षेत्र में उग्रवादियों के हमलों और नागरिकों की मौत के मामलों में भारी कमी आई है। उन्होंने जनवरी 2020 के बोडो शांति समझौते का उल्लेख करते हुए कहा, यह वही कोकराझार को आंदोलनों, जातीय संघर्ष, बंद, विस्फोट, नाकेबंदी, हड़ताल के लिए जाना जाता था।

अंतरिक्ष में अग्रणी बनने के लिए इच्छाशक्ति व साधन मौजूद : नौसेनाध्यक्ष

नई दिल्ली । नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि विभिन्न चुनौतियों और प्रौद्योगिकी से इनकार के बावजूद, भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत के पास अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए इच्छाशक्ति, बुद्धिमान और साधन मौजूद हैं। एडमिरल कुमार यहां तीन दिवसीय भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह महसूस करना कोई रिकेट साईंस नहीं है कि अमृत काल में भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस संगोष्ठी का आयोजन 18 अप्रैल से 20 अप्रैल तक यहां मानेकेश सेंटर में हो रहा है जिसमें क्षेत्र के विशेषज्ञ और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा कि अंतरिक्ष संपत्ति की तकल्पना, निर्माण, शुरूआत और रखरखाव की क्षमता के साथ, हमारे देश ने दुनिया को दिखाया है कि भारत के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।



भाषा । अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान के अंदर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके भारत को सुरक्षित बनाया है। शहर के वेजलपुर इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी दस साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें से पांचवें स्थान पर ले आए और अपने तीसरे कार्यकाल में इसे दुनिया में

तीसरे स्थान पर ले जाएंगे। शाह गांधीनगर सीट से भाजपा उम्मीदवार हैं। शाह ने कहा, मोदी ने देश को सुरक्षित करने के लिए काम किया। सोनिया (गांधी) –मनमोहन (सिंह) सरकार में, कोई भी पाकिस्तान से प्रवेश करेगा और यहां हर दिन बम विस्फोट करेगा। उन्होंने कहा क भाजपा ने (2014 में) गुजरात में सभी 26 लोकसभा सीटें जीतीं और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। भाजपा नेता ने कहा कि इसके बाद आतंकवादियों ने उठी (2016) और पुलवामा

भाजपा इस बार दक्षिण भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी

अहमदाबाद । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि इस बार लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दक्षिण भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। गांधीनगर संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार शाह अहमदाबाद शहर में एक देश से के दौरान पीटीआई-भाषा से बात कर रहे थे। शाह ने कहा, देश का माहौल बताया है कि हमे 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। दक्षिण भारत में भाजपा अब तक सबसे अच्छे प्रदर्शन करेगी। शाह ने दावा किया कि पार्टी गुजरात की सभी 26 सीट पर बड़े अंतर से जीत हासिल करेगी।

(2019) में हमला किया, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि अब मनमोहन सिंह बल्कि नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं।

किंवद न्यूज

तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों ने चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा पूरी की

नई दिल्ली। तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों के एक दल ने अरब सागर में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में करीब चार सप्ताह की कठिन समुद्री यात्रा पूरी कर ली है। इसके चलकर दल में सभी महिलाएं हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारतीय नौसेना, वायु सेना की 12 बहादुर महिला अधिकारियों वाले चालकर दल ने सितंबर में होने वाली वैश्विक जलयात्रा प्रतिस्पर्धा की तैयारी के लिए एर समुद्री यात्रा की। उन्होंने बताया कि इन महिला कर्मियों ने आर्मी एडवेंचर विंग और कोलेज ऑफ़ मिलिट्री इंजीनियरिंग के आर्मी एक्स नौसेन सेटर के बैनर तले यह यात्रा शुरू की। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि कड़ी अधिक चुनौतीपूर्ण वैश्विक जलयात्रा के मद्देनजर शुरू किया गया यह मिशन 27 दिन में पूरा हुआ और इसमें सबसे कठिन समुद्री परिस्थितियों में उनके धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया गया। मुंबई से लक्षदीप तक यह प्रशिक्षण अभियान शुष्मराज को औपचारिक रूप से समाप्त हो गया। महिला नाविकों ने पहले ही 6,000 सैफ्टी मील का प्रशिक्षण हासिल कर लिया है। अधिकारी ने बताया कि चालकर दल अपने आप को अरउड 2 वर्ल्ड सेलिंग कम्पीटिशन के लिए तैयार कर रहा है जो भारतीय सेना के इतिहास में नीला का एक महत्वपूर्ण पथर साबित होगा।

भारत को ईवी-रेडी व फ़्रेडली बनाया

बैंगलुरु। ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एसाएक्स के लिए नई कीमतों की घोषणा की। एसाएक्स तीन बैटरी कॉन्फिग्युरेशंस - 2 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा और 4 किलोवॉट घंटा में उपलब्ध होगा, जिसका न्यून क्रमशः 69,999 रुपये (नईदेरिडरटी न्यूयू), 84,999 रुपये, और 99,999 रुपये होगा। एसाएक्स की डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू होगी। कंपनी ने एसा पी, एसा एएच, और एसा एक्स की नई कीमतों के बारे में भी बताया, जो अब क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में मिलेंगे। साथ ही सभी एसा क्षेत्रों पर 8 साल/80,000 किलोमीटर की कॉमिन्मेंटेड बैटरी वॉरंटी बिना किसी अतिरिक्त लागत के दी जा रही है। एसाएक्स रेंज के साथ कंपनी ने ग्रास मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया है।ओला के प्रकाश ने बताया, “हमारा मानना ​​है कि भारत में ईवी का बाजार अपने चरम बिंदु तक पहुंच चुका है, और पिछले माह २-स्लीपर सेगमेंट में ईवी का पेनेट्रेशन अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर था। हमारा एसाएक्स पूर्णतःपैराेडिी ईवी की ऊँची अपडेट लागत का हल लेकर आया है, जो ईवी को अपनाने में आने वाली सबसे बड़ी अड़चनों में से एक है।

विश्व कारीगर दिवस करीगरों का सम्मान

नई दिल्ली। भारत के आर्थिक परिदृश्य की विविधता में कारीगर, बुनकर और शिल्पकार रो रंगीन धागे हैं, जो राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक-आर्थिक विकास के अविभाज्य अंग हैं।पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में इन महिलाओं और सूक्ष्म उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए भारत के पहले ई-कॉमर्स ब्रांडर पिलाकार्ट ने उनके सशक्तिकरण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता जााई है। 2019 में लॉन्च किया गया पिलाकार्ट समर्थ कार्यक्रम अब अपने 5वें वर्ष में भारत भर के दस लाख से अधिक कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों के लिए आशा और प्रेरणा की किरण के रूप में खड़ा है। ऋषभ कुमार, शिवाल हैंडीकार्टएक्स, उत्तर प्रदेश फिरोजाबाद के रहने वाले ऋषभ कुमार 20 साल की छोटी उम्र में ही अपने पिता द्वारा दी गई उद्यमशीलता की विरासत का प्रतीक बनकर सामने आए हैं। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बीच ऋषभ ने परिवार के पारंपरिक थोक व्यवसाय को डिजिटल बनाने के असेसर का लाभ उठाया और 2021 में पिलाकार्ट के माध्यम से ऑनलाइन रिटेल में कदम रखा। फिरोज इमरान, युक्ति आर्ट्स थॉप, उत्तर प्रदेश यूनिक आर्ट्स थॉप के दूरदर्शी फिरोज इमरान सलारनपुर की लकड़ी की नक्काशी के विरासत में डिजिटल पुनर्जागरण का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले साल त्योहारी सीजन के दौरान 9 नुवा की आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। रि्तु देवी, कोशल्या देवी और रामकली, डिमाचल प्रदेश तीन महिला कारीगरों रि्तु देवी, कोशल्या देवी और रामकली ने डिमाचल प्रदेश में सशक्तिकरण और लचीलेपन की कसनी बुनी है।

आंखों पर ध्यान देने की कवायद

मुंबई। आइवियर उद्योग में जाने-माने नाम टाइटन आई-लenses ने फ्रेम, लेंसेज, सनग्लासेज और कॉन्टैक्ट लेंसेज पर सफल स्पेक्टैकल ऑफ़र की घोषणा की है। आइवियर कैटेगरी में नए रूझानों को ध्यान में रखते हुए कंपनी यह ऑफ़र लेकर आई है, ताकि स्टाइलिश फ्रेम, सनग्लासेज, 20 से अधिक डिज़ाइनल ब्राइड्स और लेंसेज पर कॉन्टैक्ट लेंसेज भी रेंज हर किसी की पहुंच में हो। टाइटन आई लenses से 2 प्रोसेसड खरीदने पर फ़ैलेट 20 फीसदी छूट पा सकते हैं। इस फ़ैलेट के साथ टाइटन आई लenses स्टाइलिश आइवियर के मानकों को नया आयाम देने तथा किफ़ायती एवं ट्रेंडी डिज़ाइनों को सभी के लिए सुलभ बनाने हेतु प्रयासरत है।इस फ़ैलेट के तहत उपलब्ध मात्र ४ 750 की शुरूआती कीमत पर फ़ैशनबल फ्रेम की विस्तृत रेंज खरीद सकते हैं। परिवार के हर सदस्य के लिए आंखों के स्वास्थ्य को फ़ैशनबल और आसान बनाने तथा गुणवत्तापूर्ण आइवियर को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए कंपनी ये ऑफ़र्स लेकर आई है। यह फ़ैलेट पेशा-व्यक्त ऑफ़र्स तक ही सीमित नहीं है, इसमें वैर्यटी और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी महत्व दिया गवाहै।

ईवीएम मशीनों पर संदेह करने वालों से कोर्ट ने कहा : हर चीज पर शक नहीं किया जा सकता

भाषा । नई दिल्ली

मतदाताओं की चुनावी प्रणाली में संतुष्टि और भरोसा के महत्व को रेखांकित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रभाविता पर संदेह नहीं करें और अपर निर्वाचन आयोग अच्छा काम करता है तो उसकी सरहना करें। याचिकाकर्ताओं ने मतपत्रों के जरिए मतदान की व्यवस्था की ओर वापस लौटने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईवीएम के जरिए डाले गए मतों का वोटर वैरिफिकेशन पर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के साथ पूर्ण मिलान की मांग वाली विभिन्न याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सिविल सेवा में सफल होकर भानु प्रताप ने बढ़ाया परिवार का मान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, नई दिल्ली

सिविल सेवा परीक्षा 2023 में सफल होकर वाणीपुरम लखनऊ निवासी भानु प्रताप सिंह ने परिवार और नगर का मान बढ़ाया है। भानु प्रताप ने 72वां स्थान प्राप्त कर शैक्षणिक संस्थान को गौरवांित किया है। मूल रूप से शाहजहांपुर निवासी और वर्तमान में लखनऊ में रहने वाले भानु प्रताप के पिता भारत सिंह यादव राष्ट्रपति पदक से सम्मानित हैं और भारतीय पुलिस सेवा के डीआईजी पद से सेवानिवृत्त हुए। भानु वर्तमान में जम्मू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर तैनात हैं। एचबीटीआई कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग से बीटेक किया था। पिता भारत सिंह एवं कंयूरु इंजीनियर बड़े भाई प्रज्वल सिंह यादव के मार्गदर्शन में सफलता प्राप्त की। भानु इस सफलता का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देते हैं। भानु की माता राजकुमारी यादव इस सफलता पर बेहद गौरवान्वित हैं। पैरवार में बहन डॉ. दिव्या डेंटिस्ट हैं और बहनोई निशांत नारायण और बहनोई 2011 बच भारतीय रेलवे यातायात सेवा में अधिकारी है। भानु के पिता और माता ने हमेशा ही परिवार में सदा जीवन,उच्च विचार, शिक्षा, एवं रा्ट सेवा के मूल्यों पर बल दिया। ज्ञात रहे की पिता भारत सिंह यादव को उकृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति मैडल से सम्मानित हैं। इस उपलब्धि से भानु के समस्त परिवजनों एवं समस्त शिक्षकगणों में हर्ष एवं उल्लास का माहौल है।

झारखंड के गोड्डा में पुलिस की गोलीबारी में एक आदिवासी की मौत, आरोपी गिरफ्तार

भाषा । गोड्डा

झारखंड के गोड्डा जिले में जबरन झारखी के एक आरोपी की धरपकड़ के अभियान के दौरान पुलिस की कथित गोलीबारी में आदिम जनजाति समूह (पीवीटीजी) का 30 वर्षीय एक व्यक्ति मारा गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सहायक उप निरीक्षक (एसएसआई) को गिरफ्तार कर लिया गया है और सुंदर पहाड़ी

थाने में उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने एक बयान में बताया कि कथित लापरवाही के लिए पुलिस थाना प्रभारी को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मुतक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पुलिस की गोली लगने से उसकी जान गई। उन्होंने मांग की जिस पुलिसकर्मी ने उसपर

गोली चलाई , उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने बताया कि इस घटना की जांच तथा जरूरी कानूनी कार्रवाई करने के लिए विशेष जांच टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा कि मुतक की पहचान बाबा डॉगा पारा के निवासी हरि नारायण पहाड़िया के रूप में हुई है। बाबा डॉगा पारा झारखंड को राजधानी रंची से करीब 350 किलोमीटर दूर है।

विहिप की मुर्शिदाबाद में राम नवमी पर हिंसा के मामले में एनआईए से जांच करने की मांग

भाषा । नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में राम नवमी उत्सव के दौरान हिंसा की घटना की निंदा की और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच करने की मांग की। पश्चिम बंगाल पुलिस के अनुसार बुधवार को मुर्शिदाबाद के शुकुतिपुर इलाके में एक शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान हुए विस्फोट में एक महिला घायल हो गई। विहिप के संयुक्त महासचिव सुंदर जैन ने घटना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बंगाली हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जिम्मेदार उद्घटया जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी कहा कि मुर्शिदाबाद में रामनवमी के मौके पर निर्याली गई शोभायात्रा में हुई हिंसा के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार है। भाजपा ने यह प्रतिज्ञा रखी है सत्तारूढ़ तुणगलूदायों की अध्यक्ष ममता बनर्जी द्वारा यह दावा किए जाने के बाद दी कि हिंसा पूर्ण निरोधित थी। ममता बनर्जी ने भाजपा पर लोकसभा चुनाव से पहले हिंसा करने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल ने लोकसभा चुनाव के सभी सात चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान शुक्रवार होगा। इसके अलावा 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एकजून को मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी। पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा केसह-प्रमोटी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया गंव एक्स पर पोस्ट किया, बंगाल बिखर रहा है और इसके लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार है। उनके निर्दलीय और सांप्रदायिक भाषणों के कारण पूरे बंगाल में राम गवती पर हमले हुए है।

मविष्ण में वायु, समुद्री और भूमि क्षेत्रों पर अपना प्रभाव डालेगा अंतरिक्ष क्षेत्र: सीडीएस

भाषा । नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि युद्ध के लिहाज से भविष्य में अंतरिक्ष क्षेत्र वायु, समुद्री और भूमि क्षेत्रों पर अपना प्रभाव डालेगा। बृहस्पतिवार को दिल्ली में तीन दिवसीय भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में ज़राफ़त एक रिकॉर्डेड वीडियो संबोधन में जनरल चौहान ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष कूटनीति जल्द ही वास्तविकता बन जाएगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष समीर वी कामत और सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी यहां मानेकेशों सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। जनरल चौहान ने अपने संबोधन में भविष्य के युद्ध में अंतरिक्ष की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में बात करूंगा कि हम अभी कहां हैं और हमें कहाँ जाना है। सीडीएस ने कहा, अंतरिक्ष को निर्णायक मोर्चा कहा जाता है। अंतरिक्ष का विस्तार अनंत है। अन्य सभी सीमाओं की तरह, इसकी सीमा को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना मुश्किल है। अंतरिक्ष के रहस्य को समझने के लिए मानव जाति को अभी लंबा रास्ता तय करना है। भारत उस यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है। उन्होंने भारत के गणपतान कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण ले रहे चार अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में भी बात की। जनरल चौहान ने कहा, अंतरिक्ष को युद्ध के उभरते हुए क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। मेरा मानना ​​है कि यह पहले से ही युद्ध का एक स्थापित क्षेत्र है। मेरा विश्वास इस विशेष क्षेत्र में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर आधारित है। जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध के इतिहास ने हमें दिखाया है कि किसी भी युद्ध में प्रारंभिक स्पर्धा आम तौर पर एक नए क्षेत्र में होती है।

ठाणे नगर निगम में सफाईकर्मों के बेटे ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण की

ठाणे। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा उत्तीर्ण करना 32 वर्षीय प्रशांत सुरेश भोजने का सपना था जिसे हकीकत में बदलने के लिए उन्होंने हर मुश्किल का मजबूती से सामना किया। प्रशांत को मां महाराष्ट्र के ठाणे शहर में नगर निगम में एक सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं। यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया और प्रशांत ने इस परीक्षा में 849वां स्थान प्राप्त किया। प्रशांत ने अपने सपने को पूरा करने की शुरूआत 2015 में की थी और आखि़कार उन्होंने अपने नौवें प्रयास में सफलता प्राप्त की। खरतान

रोड स्वीपर कॉलोनी में रहने वाले लोगों के लिए प्रशांत की उपलब्धि खुशियां लेकर आई। प्रशांत का परिवार यहां रहता है और बुधवार रात को इस खुशी के मौके पर लोगों ने जश्न मनाया। कुछ स्थानीय नेताओं ने भी इस जश्न में हिस्सा लिया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि प्रशांत की मां ठाणे नगर निगम में सफाईकर्मों के रूप में काम करती हैं और पिता निगम में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने वाले प्रशांत का मन नौकरी करने का नहीं था और उनका सपना हमेशा से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी बनने का था। प्रशांत ने

बेंगलुरुमें जय श्री राम व्र नारा लगाने पर तीन लोगों पर हमला, चार गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में राम नवमी के अवसर पर जय श्री राम का नारा लगाने पर तीन लोगों पर कथित तौर पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यहां चिक्काबेट्टा हल्ली में बुधवार को यह घटना घटी और उसके सिविलिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया एवं दो नाबालिगों को पकड़ा गया है। उसने बताया कि सभी आरोपी एमएस पाल्या के रहने वाले हैं। इस बीच बेंगलुरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने बुधवार रात पीडितों से उनके आवास पर मुलाकात की और मापीट की घटना को निंदा की। पुलिस के मुताबिक यह घटना तब हुई जब संजीवी नगर के पवन कुमार, राहुल और विनायक एक सेकंड हैंड दोपहिया वाहन देखने के लिए अपनी कार से एमएस पाल्या की ओर जा रहे थे। उनके पास भगवा झंडा था और वे जय श्री राम का नारा लगा रहे थे। रास्ते में बाइक पर सवार फरमान और समीर ने उन्हें रोका तथा फरमान ने उनसे सवाल करना शुरू कर दिया कि वे जय श्री राम के नारे क्यों लगा रहे हैं और उन्हें केवल अल्लाह अकबर कहना चाहिए।

पिछले चार महीने में छत्तीसगढ़ में 80 नक्सली मारे गए

भाषा । नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ में इस साल अब तक कम से कम 80 नक्सली मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार किए गए हैं जबकि 150 ने आत्मसमर्पण किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ में दो दिन पहले सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2004-14 की तुलना में 2014-23 में देश में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 प्रतिशत की गिरावट आई है और इस अवधि में मौतों की संख्या 69 प्रतिशत कम होकर 6,035 से 1,868 हो गई है। एक अधिकारी ने कहा कि दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़

● 125 गिरफ्तार और 150 ने आत्मसमर्पण किया

में विष्णु देव साय की सरकार के गठन के बाद से सक्रिय अभियान चलाए गए हैं और इसके परिणामस्वरूप जनवरी से कम से कम 80 नक्सली मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार किए गए हैं जबकि 150 ने आत्मसमर्पण किया है। पिछले साल के अंत में, नक्सल प्रभावित राज्यों में सुरक्षा स्थिति की विस्तृत समीक्षा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को माओवादियों के खिलाफ सक्रिय रूप से अभियान चलाने का निर्देश दिया था। मंगलवार को छत्तीसगढ़ के कोरकर जिले में

अमेरिका और ब्रिटेन ने ईरान पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की

एपी। वाशिंगटन

इजराइल पर ईरान के अभूतपूर्व हमले से पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति बनने की आशंका बढ़ने के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने बृहस्पतिवार को ईरान पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका में वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने इस कार्रवाई में ईरान में 16 लोगों और दो संस्थानों को लक्षित किया है, जो 13 अप्रैल को इजराइल पर हुए हमले में इस्तेमाल किए गए ड्रोन को चलाने

वाले इंजन के उत्पादन से जुड़े हैं। वहीं, ब्रिटेन ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल उद्योगों से जुड़े कई ईरानी सैन्य संस्थानों, व्यक्तियों और निकायों को निशाना बना रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट एलेन ने एक बयान में कहा, हम आने वाले दिनों और सप्ताहों में ईरान की कार्रवाइयों के जवाब में अपनी पाबंदियां लागू करते रहेंगे। अमेरिका के अधिकारियों ने इस सप्ताह चेतावनी दी थी कि वे क्षेत्र में ईरान की गतिविधियों के जवाब में

अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट एलेन ने एक बयान में कहा, हम आने वाले दिनों और सप्ताहों में ईरान की कार्रवाइयों के जवाब में अपनी पाबंदियां लागू करते रहेंगे। अमेरिका के अधिकारियों ने इस सप्ताह चेतावनी दी थी कि वे क्षेत्र में ईरान की गतिविधियों के जवाब में

कने की सलाह दी ताकि हिंसा का सिलसिला आगे नहीं बढ़े। यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने भी बुधवार को संकल्प व्यक्त किया कि वे ईरान पर प्रतिबंध बढ़ाएंगे। ईयू के विदेश नीति प्रमुख जोसेफ बोरेल ने कहा कि ईयू की प्रणालियों की मौजूदा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और इनका विस्तार करके तेहरान के विरुद्ध कदम उठाया जाएगा ताकि इजराइल पर भविष्य में हमले नहीं हों। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल को भी संयम बरतना होगा।

कनाडा में सोना लूट के मामले में गिरफ्तार छह लोगों में दो आरोपी भारतीय मूल के

भाषा। ओटावा

टोरंटो के मुख्य हवाई अड्डे पर पिछले साल करोड़ों डॉलर मूल्य के सोने की लूट के सिलसिले में गिरफ्तार छह लोगों में भारतीय मूल के कम से कम दो लोग शामिल हैं। इसे कनाडा के इतिहास में सोने की सबसे बड़ी लूट माना जा रहा है। पील रीजनल पुलिस (पीआरपी) ने कहा कि कनाडाई अधिकारियों ने मामले में तीन और लोगों के लिए भी वारंट जारी किया। पुलिस का कहना है कि 17 अप्रैल, 2023 को, नकली कागजों का उपयोग करके एक सुरक्षित भंडारण केंद्र से 2.2 करोड़ कनाडाई डॉलर से अधिक मूल्य की सोने की छड़ें और विदेशी मुद्रा लेकर जा रहा एक हवाई मालवाहक कंटेनर चोरी हो गया था।

सोना और मुद्रा ज्यूरीख, स्विट्जरलैंड से एयर कनाडा की एक उड़ान से हवाई अड्डे पर पहुंचे ही थे। पुलिस ने कहा कि एयर कनाडा के कम से कम दो पूर्व कर्मचारियों ने कथित रूप से इस लूटपाट में मदद की थी। इनमें से एक हिरासत में है और दूसरे के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। भारतीय मूल के दो लोगों परमपाल सिद्धू (54) और अमित जलोटा (40) को बुधवार को ओटावो से गिरफ्तार किया गया। उनके साथ अम्माद चौधरी (43), अली रजा (37) और प्रसथ परमलिंगम (35) को गिरफ्तार किया गया। इसी सिलसिले में हथियारों की तस्करी के आरोपों में ब्राम्पटन से 25 वर्षीय डी किंग-मैकलीन को

अमेरिका में गिरफ्तार किया गया और जांचकर्ता उसके तथा उसके वकील से संपर्क में हैं। पिछले साल घटी घटना की विस्तृत जांच के बाद गिरफ्तारियों की घोषणा की गई। अपराध के समय सिद्धू एयर कनाडा के लिए काम रहा था। पुलिस ने ब्राम्पटन के 31 वर्षीय सिमरन प्रीत पनेसर के लिए कनाडा के स्तर पर वारंट जारी किया है। वह भी लूट के समय एयर कनाडा का कर्मचारी था। खबर के अनुसार ब्राम्पटन के अर्चित प्रोवर (36) और 42 साल के अरसलान चौधरी के लिए भी वारंट जारी किया गया है। एयर कनाडा के प्रवक्ता पीटर फिट्ज़जैट्टिक ने सिद्धू और पनेसर के राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर कनाडा के साथ जुड़े होने की पुष्टि की।



भारत के लोग मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सीमा पर कने के बाद धरणा मंगाने के लिए प्रक्रिया की प्रतीक्षा करते हुए

राष्ट्रपति जरदारी ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, कश्मीर मुद्दा उठाया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बृहस्पतिवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कश्मीर मुद्दा उठाया और दक्षिण एशिया में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसदों द्वारा सरकार के खिलाफ की जा रही नारेबाजी के बीच, राष्ट्रपति जरदारी ने राजनीतिक नेताओं से नकदी संकट से जुड़ रहे देश के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए धृवीकरण की राजनीति छोड़ने का आग्रह किया। जरदारी ने कश्मीर को लेकर कहा कि भारत को पांच अगस्त, 2019 के बाद से उठाए गए सभी कदमों को वापस लेना चाहिए और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य निर्धारित करने के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में विकास के लिए शांति का माहौल आवश्यक है और कश्मीर मुद्दे का समाधान शांति की कुंजी है। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट कर दिया है कि संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। भारत ने यह भी कहा है कि केंद्र

पाकिस्तान की सेना ने आईएसआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए समिति गठित की

इस्लामाबाद (भाषा): पाकिस्तान की सेना ने खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक मेजर जनरल की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। बृहस्पतिवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई है। हमीद पर आईएसआई प्रमुख के रूप में अपनी शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यूनल अखबार की रिपोर्ट में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों के मद्देनजर जांच का आदेश दिया गया है। जनरल हमीद के खिलाफ औपचारिक जांच का यह पहला आदेश है, जिन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति से चार महीने पहले नवंबर 2022 में इस्तीफा दे दिया था। फैजाबाद धरना मामले समेत कई विवादों में उनका नाम सामने आया।

शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर में सामाजिक-आर्थिक विकास और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए संवैधानिक कदम भारत का अंतरिक मामला है। दूसरी बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति चुने गए जरदारी ने अपने संबोधन में कहा कि वह एकजुट होकर सभी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्र की ताकत में विश्वास करते हैं। जरदारी ने कहा, देश को अब धृवीकरण से हटकर समसामयिक राजनीति की ओर बढ़ने की जरूरत है। इस संयुक्त सदन को संसदीय प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी गठबंधन सरकार के उम्मीदवार थे और

उन्होंने पिछले महीने 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। जरदारी ने सभी प्रतियों के लिए अवसरों की समानता पर आधारित एक समावेशी विकास मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करना देश का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मौजूदा नियमों को सरल बनाने और घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए एक माहौल बनाने के लिए कहा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसदों ने राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान विरोध जताया और जरदारी जाओ के नारे लगाए, लेकिन राष्ट्रपति ने आत्मविश्वास के साथ अपना संबोधन जारी रखा।

अमेरिका में अवैध तरीके से दाखिल हुए भारतीय नागरिकों की मौत

भाषा। वाशिंगटन

अवैध तरीके से अमेरिका आने वाले एक भारतीय नागरिक को अटलांटा के एक अस्पताल में मौत हो गई। उसे भारत प्रत्यापित किया जाना था। संघीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी प्रवासन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) विभाग ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास को 57 वर्षीय जसपाल सिंह की मौत के बारे में जानकारी दे दी गई है। साथ ही उसके परिजनों को भी इसके बारे में सूचित कर दिया गया है। आईसीई ने बताया कि 15 अप्रैल को अटलांटा के एक अस्पताल में सिंह की मौत हो गई। भारतीय नागरिक सिंह ने पहली बार 25 अक्टूबर 1992 में कानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश किया था। 21 जनवरी 1998 को एक आब्रजन न्यायाधीश ने सिंह को अमेरिका से जाने का आदेश दिया इसके बाद सिंह स्वेच्छा से भारत लौट आया था। सिंह ने 29 जून 2023 को दोबारा अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश की लेकिन अधिकारियों ने उसे अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर गिरफ्तार कर लिया था। सिंह को गिरफ्तार किए जाने के बाद उसे अटलांटा के प्रवर्तन और निष्कासन संचालन (ईआरओ) को सौंप दिया गया था। जहां से उसे अटलांटा के एक हिरासत केंद्र में रखा गया था। अमेरिका में जब ऐसे किसी व्यक्ति को हिरासत केंद्र में मौत होती है जो वहां का नागरिक नहीं है तो ईआरओ को दो कार्यदिवस के भीतर संसद, गैर-सरकारी संगठन, मीडिया को इसकी सूचना देनी होती है साथ ही अपनी वेबसाइट में व्यक्ति से जुड़े विवरण साझा करने होते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार के पक्ष में अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित इस वैश्विक निकाय में बहुप्रतीक्षित जरूरी सुधार का समर्थन करेगा, ताकि यह 21वीं सदी की दुनिया को परिलक्षित कर सके। उनकी यह टिप्पणी भारत को इस वैश्विक निकाय के शक्तिशाली अंग के स्थाई सदस्य बनाए जाने की बढ़ती मांग के बीच आई है। विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने यह टिप्पणी उस समय की जब उनसे अमेरिकी कंपनी टेस्ला के मुखिया एलन मस्क के बयान के बारे में सवाल किया गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता के बिना संयुक्त राष्ट्र का कोई मतलब नहीं है। पटेल ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन पहले भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान इस बारे में (सुधारों की आवश्यकता) बात कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करते हैं, ताकि यह 21वीं सदी की दुनिया को परिलक्षित कर सके, जिसमें हम रहते हैं। मेरे पास कोई एस्केलेटर पर खड़े होकर चाकू से लेंस हमलावर जोएल कांची का मुकाबला करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद कांची एस्केलेटर से नीचे उतर गया

ईयू के शीर्ष राजनयिक ने जी7 से यूक्रेन के लिए सैन्य हथियारों की मदद में तेजी लाने का आग्रह किया

एपी। कैपरी (इटली)

यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष राजनयिक ने बृहस्पतिवार को सात देशों के समूह जी7 के विदेश मंत्रियों से यूक्रेन को अधिक वायु रक्षा प्रणालियां प्रदान करने के लिए त्वरित, दोस कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि विलंब से युद्ध में रूस को बढ़त मिल सकती है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेफ बोरेल ने कहा कि रूस के हमलों से बचाव के लिए अधिक पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के बिना यूक्रेन को बिजली प्रणाली नष्ट हो जाएगी और कोई भी देश घर

पर, कारखानों में बिजली के बिना अग्रिम मोर्चे पर युद्ध नहीं लड़ सकता। बोरेल का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब इतालवी द्वीप कैपरी में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक हो रही है। यूक्रेन-रूस युद्ध और ईरान के इजराइल पर हमले के कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव इस बैठक के एजेंडे में शीर्ष पर है। इटली के विदेश मंत्री एंतोनियो तजानी ने बैठक के पहले कामकाजी सत्र में ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों और यूक्रेन को रूस के हमले से खुद को बचाने के लिए दोस मदद देने की मांग की। तजानी ने आग्रह किया कि

अगर यूक्रेन हारता है, तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी शांति वार्ता की मेज पर नहीं बैठेंगे। बुधवार को, ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक में गाजा, यमन और लेबनान में संघर्षरत पक्षों को ड्रोन और मिसाइल की आपूर्ति करने के लिए ईरान पर प्रतिबंध बढ़ाने का संकल्प लिया गया। बोरेल ने कहा कि ईरान पर मौजूदा यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को मजबूत और विस्तारित किया जाएगा ताकि ईरान को उसके हमले के लिए दंडित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इजराइल को भी संयम बरतने की जरूरत है। यूक्रेन के विदेश मंत्री

दिमित्री कुलेबा और नाटो महासचिव जेम्स स्टोलटेनबर्ग कैपरी की बैठक में अतिथि के रूप में भाग ले रहे हैं। कुलेबा ने अपने देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए तोपखाने, गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियों सहित आवश्यक सैन्य सहायता की आवश्यकता को रेखांकित किया, क्योंकि रूस अग्रिम मोर्चे पर बढ़त बना रहा है। उन्होंने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल प्रणाली प्रदान करने के लिए जर्मनी को धन्यवाद दिया। कुलेबा ने अमेरिकी संसद से सैन्य हथियारों से संबंधित पैकेज को भी जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने के कारण आसपास के लोग घर-बार छोड़कर गए, एक हवाई अड्डा बंद

एपी। मानदो (इंडोनेशिया)

इंडोनेशिया में एक ज्वालामुखी फटने के बाद प्रशासन ने बृहस्पतिवार को एक हवाई अड्डा बंद कर दिया और उस ज्वालामुखी के आसपास रहने वाले लोग फैलते राख, गिरते चट्टानों, गर्म बादल और सुनामी की आशंका के मद्देनजर अपने घर-बार छोड़कर चले गए। सुलावेशी द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित माउंट रूआंग में बुधवार को ज्वालामुखी से कम से कम पांच बार भारी मात्रा में लावा बाहर निकला। उसके बाद सेंटर फोर वोलकैनोलोजी एंड जियोलाॉजिकल डिजास्टर मिटिगेशन ने उच्चतम स्तर का अलर्ट जारी किया और आगे भी लावा निकलने के संकेत दिए। ज्वालामुखी उद्गम केंद्र से बृहस्पतिवार को भी लगातार धुंआ निकलता रहा, जो 500 मीटर से अधिक ऊंचाई तक पहुंचा। लोगों को इस पर्वतीय स्थल से



कम से कम छह किलोमीटर दूर रहने का आदेश दिया गया है। प्रभावित क्षेत्र में 11,000 लोग रहते हैं और उन्हें

वहां से चले जाने को कहा गया है। अड्डा अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है, क्योंकि ज्वालामुखी उद्गम केंद्र से हवा में राख फैल रही है।

भारत कांग्रेस से भाजपा के प्रभुत्व वाली व्यवस्था में परिवर्तित होता प्रतीत हो रहा है: एशले टेलिस

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के प्रख्यात विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि भारत कांग्रेस के प्रभुत्व वाली व्यवस्था से भाजपा नियंत्रित व्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है लेकिन यह देखना अभी बाकी है कि पार्टी दक्षिण भारत में अच्छे प्रदर्शन कर पाती है या नहीं। उन्होंने एक परिचर्चा में यह टिप्पणी की, जिसमें इस बात पर विचार मंथन हुआ कि क्या किसी एक इकाई का अत्यधिक शक्तिशाली होना लोकतंत्र के लिहाज से चिंता का विषय हो सकता है? विचारक संस्था कार्नेजी एन्डउमेट में वरिष्ठ अध्याता टेलिस ने बुधवार को कहा कि भारत में आम चुनाव के नवीनतम ओपिनियन पोल के रशानों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाती दिख रही है। उन्होंने कहा कि यदि ओपिनियन पोल सही साबित होते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को अगले पांच वर्षों तक राजनीतिक प्रभाव रखने के लिए पर्याप्त बहुमत के साथ चुने जाने की संभावना है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर

... सबसे लंबे समय तक भारत उस व्यवस्था के साथ बहुत सहज था जिसे कांग्रेस व्यवस्था कहा जाता था। कई दशकों तक राजनीति में कांग्रेस का दबदबा रहा। ऐसा प्रतीत होता है कि अब हम भाजपा के अधिपत्य वाली व्यवस्था में परिवर्तित हो रहे हैं।



व्यवस्था कहा जाता था। कई दशकों तक राजनीति में कांग्रेस का दबदबा रहा। ऐसा प्रतीत होता है कि अब हम भाजपा के अधिपत्य वाली व्यवस्था में परिवर्तित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अगर हम भाजपा के प्रभुत्व वाली व्यवस्था की ओर बढ़ने के कगार पर हैं, तो क्या हमारे पास भारतीय लोकतंत्र के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित होने का कोई कारण है? मेरा मतलब यह नहीं है कि यह केवल अल्पसंख्यकों या अन्य के लिए चिंता का मुद्दा है। हालांकि वहां यह सामान्य तौर पर चर्चा का विषय रहा है। मलिक ने कहा कि एक भारतीय के रूप में वह यह स्वीकार करते हैं कि वह इस बात से निराश हैं कि भारत में कभी भी दो-दलीय स्थिर प्रणाली नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस हावी थी तो भाजपा सहित अन्य पार्टियां महत्वहीन थीं और 2014 के बाद से भाजपा का उभार हुआ और कांग्रेस आज कमजोर पड़ गई है। उन्होंने कहा, एक भारतीय नागरिक के रूप में भारतीय लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्ति के लिए यह निराशाजनक बात है, चाहे मैं किसी भी पार्टी को वोट दूं। कोई भी नागरिक एक प्रतिस्पर्धी देखना पंसद करेगा। यह सरकारों को जिम्मेदार बनाता है।

सिडनी मॉल में हमले के दौरान नायक बनकर उभरे फ्रंसीसी नागरिक को आस्ट्रेलिया की नागरिकता

एपी। सिडनी

सिडनी में एक मॉल में चाकू से किए गए हमले के दौरान हमलावर का मुकाबला करने वाले एक फ्रंसीसी निर्माण श्रमिक को सम्मानित करते हुए बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया में स्थाई रूप से रहने की अनुमति दी गई है। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी और 12 अन्य घायल हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने फ्रंसीसी निर्माण श्रमिक डेमियन गुएरोट को उनाई वींता के लिए सम्मानित करते हुए उन्हें देश का स्थाई निवासी बनाने का फैसला किया। गुएरोट को सोशल मीडिया पर बोलारडॉ नई उपनाम दिया गया। वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में 31 वर्षीय गुएरोट शनिवार को एक एस्केलेटर पर खड़े होकर चाकू से लेंस हमलावर जोएल कांची का मुकाबला करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद कांची एस्केलेटर से नीचे उतर गया और इस तरह गुएरोट ने कुछ लोगों की जान बचा ली। गुएरोट का अस्थायी ऑस्ट्रेलियाई कार्य वीजा जुलाई में समाप्त होने वाला था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में बसने का आमंत्रण दिया था। गुएरोट ने नाइन नेटवर्क टेलीविजन को बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया में रहने का मौका पाकर खुश हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हमले में कई लोगों और परिवार को हुए नुकसान से उन्हें बहुत दुख हुआ है। अल्बनीज ने सोमवार को गुएरोट से कहा, जब तक आप चाहें तब तक ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए आपका स्वागत है। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी स्थित एक शॉपिंग सेंटर में एक व्यक्ति ने शनिवार को चाकू से हमला कर छह लोगों की हत्या कर दी थी। बाद में पुलिस की कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया था।

और इस तरह गुएरोट ने कुछ लोगों की जान बचा ली। गुएरोट का अस्थायी ऑस्ट्रेलियाई कार्य वीजा जुलाई में समाप्त होने वाला था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में बसने का आमंत्रण दिया था। गुएरोट ने नाइन नेटवर्क टेलीविजन को बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया में रहने का मौका पाकर खुश हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हमले में कई लोगों और परिवार को हुए नुकसान से उन्हें बहुत दुख हुआ है। अल्बनीज ने सोमवार को गुएरोट से कहा, जब तक आप चाहें तब तक ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए आपका स्वागत है। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी स्थित एक शॉपिंग सेंटर में एक व्यक्ति ने शनिवार को चाकू से हमला कर छह लोगों की हत्या कर दी थी। बाद में पुलिस की कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया था।

शॉपिंग मॉल फिर खुला

एपी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में वह शॉपिंग मॉल बृहस्पतिवार को आम जनता के लिए फिर से खुल गया जहां चाकू से हमले की घटना में छह लोग मारे गए थे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पाकिस्तान के उस प्रवासी सुरक्षाकर्मी को नागरिकता देने पर विचार करने की बात कही है जो हमलावर का मुकाबला करने के दौरान घायल हो गया था। सिडनी के वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन में शनिवार को हुए हमले के बाद पिछले तीन दिन में शहर में चाकू से हमले की दो और घटनाएं हुईं जिससे लोग स्तब्ध हैं। शनिवार के हमले में 18 लोगों को चाकू मारने वाले हमलावर को पुलिस ने मार गिराया था। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने शनिवार को हुए हमले में बीच बचाव करने वाले लोगों की प्रशंसा की जिसमें सुरक्षाकर्मी मोहम्मद ताहा भी शामिल हैं हमले में ताहा के पेट में चाकू मारा गया था। ताहा पाकिस्तान से है और अस्थायी वीजा पर ऑस्ट्रेलिया में काम रहा है। उसके वीजा की अवधि कुछ ही हफ्तों में खत्म होने वाली है। अल्बनीज ने कहा कि उनकी सरकार ताहा को नागरिकता देने पर विचार करेगी। वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल बृहस्पतिवार को फिर से खुल गया लेकिन सामुदायिक चिंतन दिवस पर दुकानें बंद रहेगी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल में से एक में कारोबार शुक्रवार को फिर से शुरू होगा तथा सुरक्षा के और कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे।

